सपने पूरे नहीं होते, संकल्प पूरे होते हैं
—आचार्य महाश्रमण

प्रतिवेदन 2024-2026

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई

अपने लिए नहीं, जो
दूसरों के लिए कार्य करे,
वह कार्यकर्ता होता है।

मुनि कमल कुमारजी

आदरणीय श्री माणकजी धींग
अध्यक्ष
तेरापंथी सभा, मुंबई

सादर जय जिनेन्द्र,
आज प्रातः मुनि श्री उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनि श्री कमल कुमारजी स्वामी ने आपके लिये फरमाया–श्री माणक धींग मुनि श्री देवीलालजी स्वामी के परिवार से हैं। अच्छा सेवाभावी श्रावक हैं। श्रावक का सेवाव्रत कार्य पूर्ण सजगता से करता है। हमारे मुम्बई में डोंबिवली प्रवास में उन्होंने मुम्बई के अध्यक्षीय दायित्व का निर्वहन करते हुए पूर्ण सजगता से सेवा दायित्व को सम्भाला, समय-समय पर पूरी सार सम्भाल की। पद की अपनी गरिमा होती है, इसमें वे निपुण हुये। अब आगे भी इसी सजगता से संघ सेवा में अग्रणी रहना है।
मंगल कामना।

शब्द धारने का कार्य मैंने मुनि श्री की दृष्टि अनुरूप किया, मेरी भी शुभकामना स्वीकार्य हो, शुभाशंसा।

विमल कुमार सोनी
'श्रद्धा निष्ठ श्रावक'
26-05-2026

(मुनिश्री कमल कुमारजी, साध्वी शकुंतला कुमारी जी, डॉ. साध्वी पीयूषप्रभा जी इस वर्ष पूज्य-प्रवर की सन्निधि में लाडनूं प्रवास कर रहे हैं। संघ की मर्यादा के अनुसार पूज्य सन्निधि में विराजित चारित्र-आत्माओं को संदेश देने की मनाही है। इसलिए उनके विचार ही संग्रहीत कर प्रस्तुत किए जा रहे हैं।)

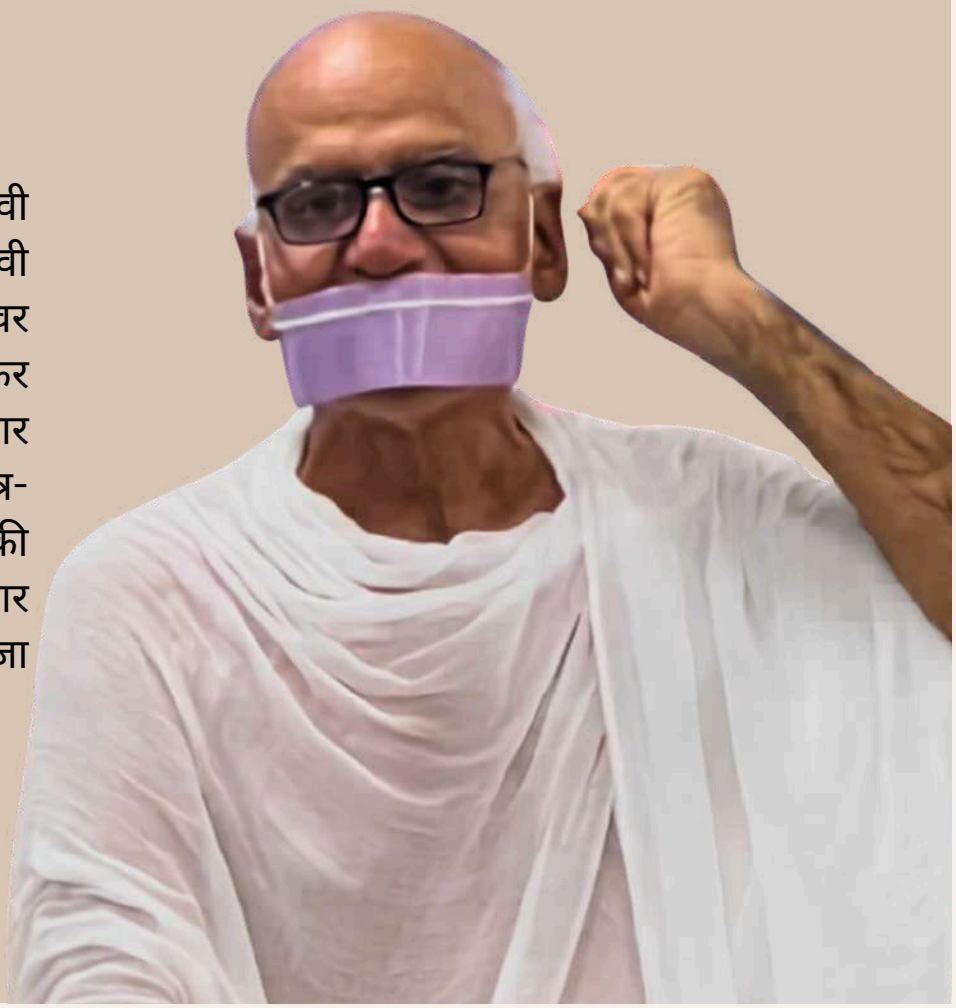

कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन

तेरापंथी सभा, मुम्बई का इस सत्र का द्विवर्षीय कार्यकाल परिसंपन्नता पर है। सभा के अध्यक्ष माणकजी धींग व मंत्री दिनेशजी सुतरिया ने कुशलतापूर्वक दायित्व वहन किया, दोनों साधुवाद के पात्र हैं, भविष्य में भी अहर्निश धर्मसंघ की सेवा करते हुए निरन्तर अपना आध्यात्मिक विकास करते रहें। आचार्य प्रवर की दृष्टि की आराधना करते हुए, श्रावक-धर्म को सतत वर्धमान रखें।

मंगल कामना, शुभ भावना।

मुनि कुलदीप
ता 26-05-2026
तेरापंथ भवन, वाशी
(नई मुम्बई)

मुंबई महानगर में महादायित्व का सुसफल निर्वहन

जैन धर्म में एक आचार्य की आज्ञा और अनुशासन में चलने वाला विरल धर्मसंघ है तेरापंथ। देशभर में विचरण करनेवाले साधु-साध्वियों की संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी मुख्य भूमिका निभाती है तेरापंथी सभा की। सभा के अध्यक्ष के रूप में सेवा देना और उसमें भी मुंबई जैसे महानगर के अध्यक्ष के रूप में सेवा देना अपने आप में विशेष बात है। भाई माणकजी धींग के विशेष योग्यता का परिचायक है कि उन्हें तेरापंथी सभा, मुंबई के अध्यक्ष के रूप में सेवा देने का अवसर प्राप्त हुआ।

हमारा सन् 2025 का चतुर्मास ठाणे में था। उस समय चतुर्मास प्रवेश में भी माणकजी, सभा मंत्री दिनेशजी सुतरिया आदि ने उपस्थित रहकर अपना दायित्व निभाया ही था। संपूर्ण चतुर्मास में भी ठाणे सभा के मंत्री पवनजी ओस्तवाल के माध्यम से प्रत्येक कार्यक्रम की सूचना-उपस्थिति आदि में भी मुंबई सभा के साथ सुंदर कोम्बीनेशन था।

मुझे स्मरण हो रहा है आज से 26 वर्ष पूर्व श्रद्धेय मंत्री मुनिश्री का त्रिवर्षीय मुंबई प्रवास। मंत्री मुनिश्री के सान्निध्य में उस समय अनेक कार्यकर्ता तैयार हुए थे। समाज में सामने आए थे। उन विशिष्ट कार्यकर्ताओं में ही दो नाम हैं - माणकजी धींग एवं दिनेशजी जो आज मुंबई सभा के सर्वश्रेष्ठ स्थान सभा के अध्यक्ष व मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

मुंबई महानगर में हजारों श्रावकों के साथ 5/7 साधु-साध्वियों के ग्रुप की दृष्टि के अनुसार ही कार्य करना कुछ कठिन ही है। जो व्यक्ति धीर-गंभीर, ठंडे दिमागवाला, हर किसी की सुनने की क्षमतावाला ही इस महनीय दायित्व का सफलता से निर्वहन कर सकता है। मैं कह सकता हूँ कि माणकजी धींग एवं उनकी पूरी टीम इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुई है।

माणकजी के अध्यक्षीय कार्यकाल में घाटकोपर में वैयावच्च केन्द्र एवं ऑफिस के रूप में नई जगह का अधिग्रहण श्री तेरापंथी सभा द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों की सूची में मुंबई के इतिहास में सदैव स्मरणीय उपलब्धि रहेगी।

संघीय संस्था के विकास में पूरी टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी क्षमता के साथ अपना संपूर्ण अर्पण करता रहे यह वांछनीय है। मंगल कामना।

मुनि अनंत कुमार
कोल्हापुर
25/5/2026

मुंबई सभा का काम बेमिसाल

"उड़ते वही जिनके सपनों में जान होती है
केवल पंखों से कुछ नहीं होता
हौसलों से उड़ान होती है ।।"

संस्था शिरोमणि तेरापंथी महासभा की एक मजबूत शाखा है–मुंबई तेरापंथी सभा। इस महानगर की यानी मुंबई सभा का काम भी बेमिसाल है। विगत दो वर्षों से मुंबई सभा के अध्यक्ष माणकजी धींग, मंत्री दिनेशजी सुतरिया ने एवं उनकी पूरी टीम ने पूर्ण मनोयोग के साथ जो अपना दायित्व निभाया है वह वस्तुतः काबिलेतारीफ है। महानगर के किसी भी दूर नजदीक उपनगर में चारित्रात्माओं के चतुर्मास हो अध्यक्ष मंत्री समय समय पर वहाँ पहुंच जाते थे। चारित्रात्माओं की रास्ते की सेवा हो या चिकित्सा का कार्य हो आपने सदैव जागरूकता का परिचय दिया है यह आपकी संघ निष्ठा, कर्तव्य निष्ठा एवं श्रद्धा निष्ठा का परिचायक है।

मैंने प्रायः माणकजी एवं दिनेशजी को साथ साथ में आते देखा है तो मुझे लगता यह तो अकबर बीरबल की जोड़ी है। आपने अपनी कार्यशैली, व्यवहार कुशलता, गंभीरता, उदारता, मृदुभाषिता एवं मिलनसारिता से समाज के दिल को जीता है।

माणकजी एवं दिनेशजी आपने विशेषरूप से हमारी जो सेवा की है उसे हम विस्मृत नहीं कर सकते । हम पाँचों साध्वियाँ यह आध्यात्मिक मंगलकामना करती हैं कि भविष्य में भी आप संघ एवं संघपति के प्रति समर्पित रहकर धर्मसंघ की प्रभावना को वृद्धिंगत करने में अपने श्रम एवं समय का योगदान देते रहें ।

शासन श्री साध्वी विद्यावती 'द्वितीय'
तेरापंथ भवन
कांदिवली

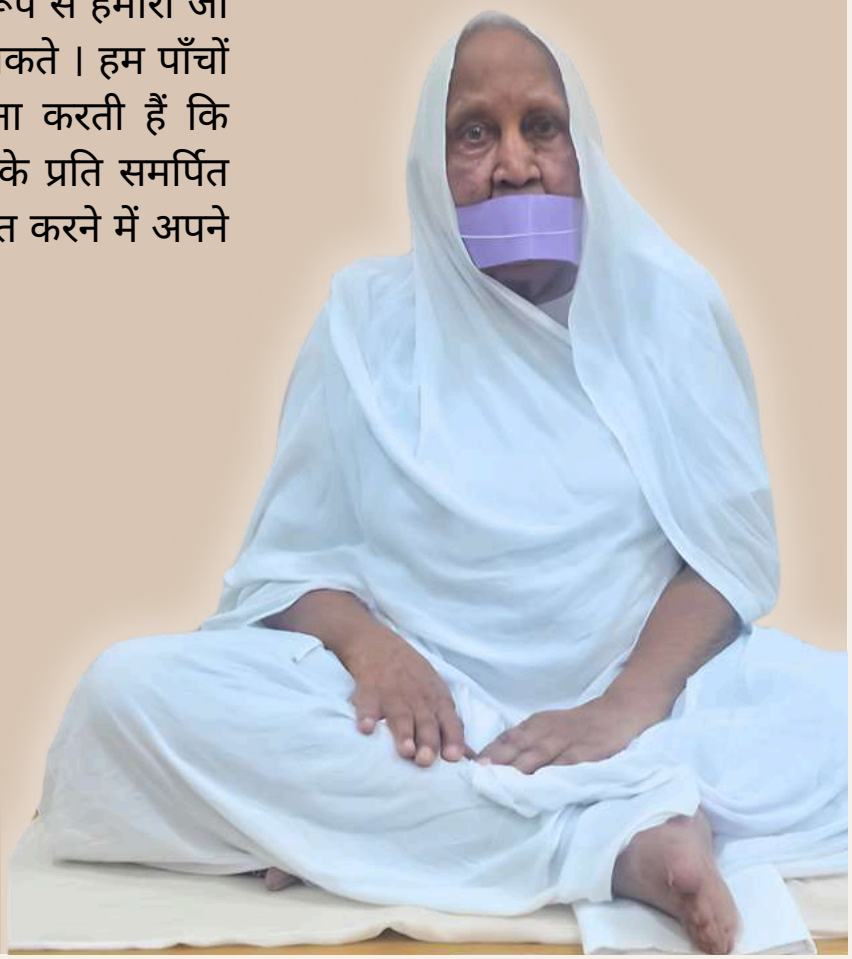

पूरी टीम के साथ अच्छा कार्य संभाला

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा मुम्बई
के अध्यक्ष श्री माणकजी धींग!

आपका कार्यकाल सम्पन्नता की ओर है। आपने अपने दायित्व के अनुसार मंत्री श्री दिनेशजी सुतरिया एवं पूरी टीम के साथ अच्छा कार्य सम्भाला है। जब-जब परम पूज्य आचार्यप्रवर के निर्देशानुसार घाटकोपर सभा ने कार्यक्रम किए, तब-तब आपकी प्रत्यक्ष उपस्थिति सभी के लिए आनन्ददायक रही तथा जब आपके मुखारविंद से अनुमोदना के स्वर निकलते तो सभी के चेहरे खिल उठते । यही हमारे संगठन का आधार विकास में निमित्त बना है ।

हमारा आशीर्वाद है कि आगे भी इसी प्रकार धर्म संघ की गरिमा बढ़ाते रहें । हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसा महान धर्मसंघ मिला है। हम ज्ञान-दर्शन-चारित्र-तप की आराधना करते रहें, यही हमारा परम लक्ष्य है ।

शासनश्री साध्वी कंचनप्रभा
तेरापंथ सभा भवन
कुर्ला, मुंबई

संघ-हित की दृष्टि से सराहनीय कार्य

अनन्त पुण्याई सम्पन्न मनुष्य को जैन धर्म एवं आचार्य भिक्षु द्वारा सिंचित सुसंगठित विशाल तेरापंथ धर्मशासन प्राप्त होता है । तेरापंथ धर्मसंघ में प्रत्येक श्रावक के जीवन में श्रद्धा, सेवा एवं समर्पण के संस्कार रग-रग में गहरे रमे हुए हैं। आचार्यों की दृष्टि के अनुसार श्रावक भी अनेक प्रकार से सेवा करने में तत्पर रहते हैं।

आचार्य श्री कालूगणी के युग में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा का गठन हुआ। गणाधिपति आचार्य श्री तुलसी के युग में जो विस्तार हुआ वह अद्भुत अलौकिक है । मेवाड़ी श्रावकों पर हमें गर्व है । मेवाड़ तेरापंथ की जन्मभूमि आचार्य श्री भिक्षु की बोधि भूमि, आचार्य श्री भारमलजी आचार्य श्री रायचन्द जी की जन्मभूमि है। सहज संस्कारों के कारण जब मेवाड़ी श्रावक किसी पद पर आते हैं तब उनकी श्रद्धा मुखर हो जाती है।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुम्बई के अध्यक्ष माणकजी धींग, मंत्री दिनेशजी सुतरिया ने सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में सेवा का दायित्व संभाला ।

सन् 2025 में दक्षिण मुम्बई कालबा-देवी हमारा चतुर्मास घोषित हुआ तबसे अनेक बार दर्शन करने आए। सफल कार्यकर्ता के रूप में समय-समय पर सार संभाल की। संघ हित की दृष्टि से जो कार्य सम्पादित किए वे सराहनीय हैं। पद तो एक व्यवस्था है, धर्मसंघ की सेवा में अहर्निश जुड़े रहें यही मंगल-शुभ-कामना

शासन श्री साध्वी शिवमाला "टमकोर"
25-5-2026
वाकोला, सांताक्रुज-इस्ट

नम्र जीवन शैली ने चार चाँद लगाए

तेरापंथ धर्मसंघ सृजनशील धर्मसंघ है। इस महान संघ में कार्यकर्ताओं का मूल्यांकन उनकी कार्यशैली से होता है। मुंबई सभा हर दृष्टि से शक्ति सम्पन्न है। हमने प्रत्यक्षदर्शी होकर देखा कि मुंबई सभा के अध्यक्ष श्री माणकजी धींग तथा उनके कर्मठ युवा मंत्री भाईश्री दिनेशजी और उनकी पूरी टीम श्रद्धासिक्त भावों से संघ की शोभा बढ़ा रहे हैं।

कार्यक्रम चाहे छोटा हो या बड़ा उनकी नम्र जीवन शैली ने घाटकोपर के हर प्रोग्राम में चार चांद लगाए ऐसी विनम्रता तथा संघ भक्ति सब में आए तथा संघ की शोभा बढ़ाए।

शासनश्री साध्वी
मंजुरेखा

निष्ठाभाव और लगन से जिम्मेदारी को निभाया

कुर्ला (मुम्बई) निवासी श्रद्धालु श्रावक श्री माणकजी धींग दो साल से श्री जैन श्वे. ते. सभा, मुम्बई के गरिमामय अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे हैं। इनका कार्यकाल सम्पन्नता की ओर है। मैंने इन्हें जाना पहचाना है, मेरे को ऐसा लगा–अच्छे श्रद्धा-आस्थाशील देव-गुरु-धर्म के प्रति समर्पित श्रावक हैं। कर्मशीलता, विनय, विवेक, मृदुभाषिता आदि इनके नैसर्गिक गुण हैं। तेरापंथ समाज, मुम्बई ने पूर्ण विश्वास के साथ इन्हें दो साल के मुम्बई सभाध्यक्ष के रूप में दायित्व की उजली चद्दर ओढ़ाई। इन्होंने अपनी सूझबूझ से अपनी टीम में मंत्री पद पर दिनेशजी सुतरिया आदि की संयोजना की। अपनी कार्यशैली से दायित्व को बखूबी निभाया व तेरापंथ समाज में विश्वास जमाया। बड़े ही निष्ठाभाव और लगन से जिम्मेदारी को निभाया है। अध्यक्ष का पद गरिमामय होता है। दो साल के कार्यकाल से तो निवृत्त हो रहे हैं पर इसे हमेशा स्मृति में रखना कि मैं तेरापंथ का श्रद्धाशील श्रावक हूं। कार्य व सेवा से मुक्त नहीं हुआ हूं। श्रावक का पद सभी पदों से ऊंचा है। जिंदगी भर का श्रावक पद होता है। अध्यक्ष पद पर रहकर आपने अपनी टीम के साथ सभी लौकिक कार्य करते हुए साधु-साध्वियों के रास्ते की सेवा व चिकित्सा स्वास्थ्य सम्बन्धी दायित्व भाव को समर्पण भाव और जागरूकता से निभाया है व सक्रियता से सेवा कर चित्तसमाधि पहुंचाने में सहयोगी बने हैं।

मनुष्य जीवन सर्वश्रेष्ठ है। सहज-शांत जीवन का सफर करते हुए तप, जप, सामायिक, स्वाध्याय आदि धार्मिक अनुष्ठानों से आत्मा को भावित करते हुए कर्म निर्जरा करते रहें। साथ-साथ सांसारिक दायित्वों को भी कुशलता से निभायें। गण और गणपति के प्रति पूर्ण आस्था व समर्पण भाव बना रहे । आध्यात्मिक विकास निरन्तर गतिमान रहे, इसी मंगल कामना के साथ - शुभाशंसा -

साध्वी राकेशकुमारी 'बायतू'
विलेपारले, मुम्बई
आयरिन बिल्डिंग
गोपाल भवन
26-5-2026
मंगलवार

श्रद्धा, भक्ति एवं समर्पण के साथ शासन सेवा

तेरापंथ धर्मसंघ की संगठनमूलक संस्थाओं में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा संबद्ध एक महत्वपूर्ण शाखा है तेरापंथी सभा, मुम्बई। इसकी अपनी मुम्बई में विशेष पहचान है । मुम्बई की सभी संस्थाओं के साथ तालमेल रखते हुए यह संस्था विविध रूपों में संघ को अपनी सेवाएं देती रही है और आज भी दे रही है। सन् 2024-26 के लिए श्री माणकजी धींग ने अध्यक्षीय दायित्व से जुड़कर समाज को अपनी विशेष सेवाएं दीं । उनके कर्मठ मंत्री श्री दिनेश जी सुतरिया भी अहर्निश इस कार्य में संलग्न रहे। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने जागरूकता के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया।

सन् 2025 में स्वास्थ्य लाभ हेतु मुम्बई में हमारा लम्बा प्रवास हुआ। उस समय माणकजी एवं दिनेश जी ने सेवा भाव से हमारे लिए व्यवस्थाएं कीं एवं चिकित्सा प्रभारी नवरतन जी गन्ना, नरेन्द्र जी तातेड़ आदि ने भी जागरूकता का परिचय दिया।

संयोग से इस वर्ष पुनः मुझे बृहद् मुम्बई की सार-संभाल के लिए पूज्य गुरुदेव ने भेजा। आगमवाणी उपासना का लाभ मुम्बई सभा ने लिया। भाई माणकजी एवं दिनेश जी के प्रति मेरी यही शुभाशंसा है कि वे श्रद्धा, भक्ति एवं समर्पण के साथ शासन की सेवा करते रहें। मुम्बई सभा के निर्देशन में समाज में नई गतिविधियां प्रगति पथ पर बढ़ती रहें यही काम्य है ।

साध्वी निर्वाणश्री
तेरापंथ भवन,
घाटकोपर

मुंबई सभा गति-प्रगति पथ पर वर्धमान रहे

तेरापंथ धर्मसंघ की संघ शिरोमणि संस्था है श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा। जिसका मूल उद्देश्य है - समाज का संगठन और संघ व समाज का हित-संरक्षण। महासभा के तत्वावधान में मुंबई सभा अपना वरेण्य स्थान रखती है । पूज्य गुरुदेव गणाधिपति आचार्य श्री तुलसी फरमाया करते थे कि एक जागरूक कार्यकर्ता सैंकड़ों को जगा देता है और एक सफल कार्यकर्ता सैंकड़ों वर्षों तक याद किया जाता है। सन् 2024-26 में मुंबई सभा के अध्यक्ष पद का दायित्व श्री माणकजी धींग व मंत्री पद का दायित्व दिनेश सुतरिया ने अपनी पूरी कार्यकर्ता टीम के साथ जागरूकता, कुशलता, कर्मठता, निष्ठा और समर्पण-भाव से संभाला है।

हमारा सन् 2024 का चातुर्मास भायंदर (मुंबई) था। उस समय माणकजी धींग ने अध्यक्ष बनने से पूर्व व पश्चात कई बार हमारे दर्शन किए। हमें वे समर्पित श्रद्धाशील और सेवाभावी श्रावक प्रतीत हुए। मैं यह मंगलकामना करती हूं, मुंबई सभा गति-प्रगति पथ पर वर्धमान रहे तथा गुरु इंगित की आराधना करती रहे । माणकजी, दिनेशजी व पूरी कार्यकर्ता टीम संघ व संघपति के प्रति समर्पित रहे और धर्म संघ की अपनी सेवा समर्पित करते रहें।

साध्वी पुण्ययशा
27.5.2026
वरतारे, चिकमंगलूर

चिंतनशील, दायित्वशील एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी

तेरापंथ धर्मसंघ एक विलक्षण धर्मसंघ है। इसकी प्रगति-कथा न केवल पूर्वाचार्यों के प्रखर पौरुष के स्वर्णाक्षरों से गुंफित है, अपितु वर्तमान में भी विश्वशांतिप्रदायक युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की श्रम-बूंदों से अहर्निश नए दस्तावेज रचे जा रहे हैं।
तेरापंथ की अभूतपूर्व विकास-यात्रा में अदम्य साहस एवं सुसंस्कृत करुणापूरित परमपूज्य गुरुदेव की प्रवर साधना, प्रखर अनुशासना तथा सुकौशल प्रबंधन प्रमुखतया निमित्त बन रहे हैं। साथ ही साथ प्रबुद्ध संत-सतियां एवं श्रद्धाशील श्रावक समाज भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। उनकी अविरल भक्ति, संघ के लिए कुछ कर गुजरने का जज़्बा एवं संघ के नाम को आसमान की ऊँचाइयों तक पहुँचाने के हौसलों से भरे अरमान तेरापंथ को आइडियल पहचान प्रदान कर रहे हैं। अनेक रंग-बिरंगे स्वप्नों को आँखों में संजोए तेरापंथ धर्मसंघ की विभिन्न संस्थाएँ लक्ष्यबद्ध होकर अपनी मंज़िल की ओर अग्रसर हैं। उन सभी संस्था-समवाय की शिरोमणि संस्था है—तेरापंथ महासभा, जो सैकड़ों सभाओं की संरक्षिका एवं संवर्धिका संस्था है।

मुझे स्मरण हो रहा है आज से 26 वर्ष पूर्व श्रद्धेय मंत्री मुनिश्री का त्रिवर्षीय मुंबई प्रवास। मंत्री मुनिश्री के सान्निध्य में उस समय अनेक कार्यकर्ता तैयार हुए थे। समाज में सामने आए थे। उन विशिष्ट कार्यकर्ताओं में ही दो नाम हैं - माणकजी धींग एवं दिनेशजी जो आज मुंबई सभा के सर्वश्रेष्ठ स्थान सभा के अध्यक्ष व मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।समस्त तेरापंथी सभाओं में एक ख्यातनाम एवं वृहद् सभा के रूप में मुम्बई सभा का नाम उल्लेखित किया जा सकता है। तेरापंथ समाज के अनेक वरिष्ठ एवं विशिष्ट व्यक्तित्वों ने मुम्बई की विशाल सभा के दायित्वपूर्ण अध्यक्षीय पद पर सेवाएँ देकर अपने कर्तृत्व को उजागर किया तथा संघ-गरिमा को वृद्धिंगत करने में सार्थक योगदान दिया।
विगत दो वर्षों से समाजसेवारत उदारवृत्तिचेता सुश्रावक श्रीमान माणकजी धींग ने तेरापंथी सभा, मुम्बई में शोभनीय अध्यक्ष पद का सकुशल निर्वहन किया।

परमपूज्य गुरुदेव के निर्देशानुसार हमने सन् 2024 का चातुर्मास कांदिवली, मुम्बई में किया, हमारे मुंबई प्रवेश के साथ ही आपकी अध्यक्षीय पद पर नियुक्ति हुई। उसके बाद निरंतर संपर्क बना रहा। चातुर्मास काल के दौरान एवं शेषकाल में भी लगभग दस मासिक मुम्बई प्रवास में अनेकानेक गरिमापूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें आपका सहयोग रहा और धर्मसंघ की प्रभावना के बड़े-बड़े कार्यक्रम हुए। भारत जैन महामंडल के उस संघ-गौरव-वृद्धिकारक कार्यक्रम में भी आपका अत्यंत सहयोग रहा।

हमने देखा और अनुभव किया कि श्रीमान माणकजी धींग एक चिंतनशील, दायित्वशील एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी हैं। सबको साथ लेकर चलना, संघीय मर्यादाओं के प्रति जागरूक रहकर सजग प्रहरी की भाँति कार्य करने की उनकी शैली रही है। उनके विनम्र एवं संतुलित व्यक्तित्व ने मुम्बई महानगर के सम्पूर्ण श्रावक समाज के हृदय में एक संघनिष्ठ श्रावक के रूप में पहचान बनाई है।
माणकजी एवं उनकी समस्त टीम ने इस द्विवर्षीय कार्यकाल को सफल बनाया है। वे केवल पदमुक्त हो रहे हैं, क्योंकि कार्यकाल सम्पन्न हो रहा है, किन्तु दायित्व-भार से उनके कंधे सदैव सज्जित रहें। वे धर्मसंघ की यथाशक्ति अहर्निश सेवा करते रहें—यही मंगलकामना है।

प्रोफेसर साध्वी मंगलप्रज्ञा

हमारे पूर्व अध्यक्ष

स्व. श्री नेमचंद भाई वकीलवाला
1932-1963

स्व. श्री मानसिंह बैद
1963-1977

स्व. श्री सूरजमल गोठी
1978-1986

स्व. श्री संचयालाल डागा
1987-1991

स्व. श्री रंगलाल कोठारी
1992-1996

श्री ख्यालीलाल तातेड़
1996-2003

स्व. श्री पृथ्वीराज कच्छारा
2003-2007

श्री भँवरलाल कर्णावट
2007-2011

श्री विनोद कच्छारा
2011-2015

श्री सुनील कच्छारा
2015-2018

श्री नरेंद्र तातेड़
2018-2022

श्री मदनलाल तातेड़
2022-2024

अध्यक्षीय उद्गार

परम आराध्य, शांति के मसीहा, जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन चरणों में कोटि-कोटि वंदन। साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी के प्रति आदरपूर्ण नमन।

किसी भी संस्था के जीवन में दो वर्ष का कालखंड बहुत छोटा हो सकता है, लेकिन यदि उस कालखंड को समर्पण, सामूहिक पुरुषार्थ और गुरु-कृपा का संबल मिल जाए, तो वही समय इतिहास के पन्नों पर अमिट रेखाएं छोड़ जाता है। आज जब श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, मुंबई के इस गरिमामयी प्रतिवेदन का प्रकाशन हो रहा है, तो मेरा हृदय अत्यंत कृतज्ञता और संतोष के भाव से भरा हुआ है। यह प्रतिवेदन केवल हमारी गतिविधियों का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि मुंबई समाज के अटूट विश्वास और पुरुषार्थ का जीवंत दस्तावेज है।

जब दो वर्ष पूर्व मुझे मुंबई सभा के गौरवशाली अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया था, तब मेरे सामने संघ की गौरवशाली परंपराओं और पूर्व अध्यक्षों के कार्यों को आगे बढ़ाने और मुंबई जैसे महानगर में समाज के हर वर्ग को जोड़ने की एक बड़ी जिम्मेदारी थी। आज कार्यकाल की समाप्ति के अवसर पर, मैं गौरव के साथ कह सकता हूँ कि हमने मिलकर सेवा, शिक्षा, अध्यात्म और संगठन के क्षेत्र में अनेक कार्य किए हैं।

संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ, जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा द्वारा सूरत एवं अहमदाबाद में आयोजित 'तेरापंथी सभा प्रतिनिधि सम्मेलन' में मुंबई सभा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति और सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। प्रशासनिक और कानूनी मोर्चे पर हमने दूरगामी सुधार किए। 13 अक्टूबर 2024 और 10 नवंबर 2024 को आयोजित विशेष साधारण सभा (EGM) में सर्वसम्मति से किए गए संविधान संशोधन, संस्था के लोकतांत्रिक और समावेशी स्वरूप को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ। इसके साथ ही, पारदर्शी कार्यप्रणाली के तहत चिकित्सा सहायता (Medical Help) और शैक्षणिक ऋण (Education Loan) का विनम्र प्रयास किया गया।

आध्यात्मिक चेतना के स्तर पर, ज्ञानशाला के माध्यम से बच्चों में संस्कारों के सिंचन (65 ज्ञानशालाएं, 2150 ज्ञानार्थी, 470 प्रशिक्षिकाएं) और जैन विद्या प्रकोष्ठ के माध्यम से स्वाध्याय की प्रवृत्ति को अभूतपूर्व गति मिली। समाज में आपसी भाईचारे और संवाद को प्रगाढ़ करने के लिए आयोजित सामाजिक सौहार्द और संवाद यात्रा तथा पूज्य प्रवर के दर्शनार्थ सूरत एवं अहमदाबाद की गुरुदर्शन यात्राएं हमारी इस यात्रा के स्वर्णिम पड़ाव रहे।

चातुर्मास-काल सहित वर्षभर साधु-साध्वियों की चिकित्सा सेवा एवं उनके विहार के समय रास्ते की सेवा का अत्यंत सुचारू और व्यवस्थित दायित्व मुंबई सभा द्वारा अनवरत रूप से निभाया जाता रहा है। इसके साथ ही, हमारे धर्मसंघ के गौरवशाली उत्सव मर्यादा महोत्सव एवं तपस्या के महान पर्व अक्षय तृतीया के आयोजनों को भी संपूर्ण मुंबई समाज के सहयोग से भव्य एवं ऐतिहासिक रूप में आयोजित करने का सौभाग्य हमें प्राप्त होता है।

भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए, मुंबई में क्षेत्रीय भवन निर्माण योजना और सभा के नवीन कार्यालय व 'चित्त समाधि केन्द्र' की स्थापना जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स की नींव रख दी गई है, जो आने वाले समय में समाज की रीढ़ बनेंगे।

यह सब कुछ किसी एक व्यक्ति के प्रयासों से संभव नहीं था। मुझे हमारे पूर्व अध्यक्षों का सतत मार्गदर्शन मिला, वरिष्ठ संरक्षकों का मजबूत संबल मिला और हमारी मुख्य टीम के ऊर्जावान ऊर्जावान मंत्री दिनेश जी सुतरिया, कोषाध्यक्ष कमलेश जी चौधरी सहित प्रत्येक कार्यसमिति सदस्य, दानदाता, महिला मंडल, युवक परिषद और ज्ञानशाला परिवार का अनन्य सहयोग प्राप्त हुआ। मैं आप सभी के प्रति अंतस की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूँ।

सेवा पथ पर चलते हुए यदि मेरे किसी निर्णय, व्यवहार या वचन से किसी भी भाई-बहन के मन को तनिक भी ठेस पहुँची हो, तो मैं इस पावन अवसर पर करबद्ध होकर खुले मन से क्षमा याचना (खमतखामणा) करता हूँ।

मैं सभा के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूँ और विश्वास व्यक्त करता हूँ कि आगामी नेतृत्व इस मशाल को और अधिक ऊँचाइयों तक लेकर जाएगा।

माणक धींग
अध्यक्ष,
जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, मुंबई

कोषाध्यक्ष का निवेदन

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई के सत्र 2024-2026 का वित्तीय विवरण (Audited Accounts) और लेखा-जोखा संघ समाज के सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत संतोष हो रहा है। संगठन की रीढ़ उसकी वित्तीय सुदृढ़ता और पारदर्शिता होती है, और हमारी टीम ने इस दायित्व को पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास किया है।

मैं हमारे आदरणीय अध्यक्ष श्री माणक जी धींग के कुशल मार्गदर्शन और कर्मठ मंत्री श्री दिनेश जी सुतरिया के निरंतर सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। तेरापंथी सभा के Auditor श्री कैलाशजी बापना एवं विधि सलाहकार श्री के. एल. परमारजी का सहयोग सराहनीय रहा, जिन्होंने हर स्तर पर पारदर्शिता बनाए रखने में मदद की। सबसे बढ़कर, मुंबई अंचल के उन सभी दानदाताओं और उदारमना श्रावकों के प्रति मैं कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ, जिनके निरंतर सहयोग से सभी कार्य निर्विघ्न संपन्न हो सके।

कमलेश चौधरी
कोषाध्यक्ष,
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई

मंत्री का निवेदन

संघ सेवा सर्वोपरि, निरंतर समर्पण ही पहचान।
अनुभव अनुशासन से सजी कार्यप्रणाली हमारी शान।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई के गौरवपूर्ण एवं ऊर्जावान सत्र 2024–2026 का विस्तृत प्रतिवेदन समाज के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे आत्मीय प्रसन्नता और विनम्र गौरव की अनुभूति हो रही है। हमारे लिए यह सभा केवल एक संस्था नहीं, बल्कि मुंबई तेरापंथ समाज की जीवंत धड़कन है, जो आध्यात्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में सतत सेवा और संस्कार की निर्मल धारा प्रवाहित कर रही है।

परम पूज्य गुरुदेव के मंगल आशीर्वाद को हृदय में धारण कर हमारी पूरी टीम ने गुरु-आज्ञा के अनुरूप संघ और समाज की सेवा में अपने सामर्थ्य भर योगदान देने का विनम्र प्रयास किया है। समर्पण, अनुशासन और संगठन—इन सुदृढ़ आधारों पर प्रतिष्ठित तेरापंथ धर्मसंघ की सेवा करना मेरे लिए केवल दायित्व नहीं, बल्कि जीवन का परम सौभाग्य रहा है।

मंत्री के रूप में यह मेरा चतुर्थ कार्यकाल रहा। समाज द्वारा पुनः प्रदत्त इस महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व को मैंने अपने पूर्व अनुभव, अटूट विश्वास और पूर्ण निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास किया है।

विगत दो वर्ष मुंबई सभा के इतिहास में अत्यंत सक्रिय, सृजनात्मक और उपलब्धिपूर्ण रहे हैं। परम पूज्य गुरुदेव की असीम अनुकम्पा से इस कार्यकाल में हमें संघीय आयोजन मर्यादा महोत्सव तथा अक्षय तृतीया आयोजित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आध्यात्मिक चेतना, सामायिक साधना एवं जैन सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार हेतु हुए विविध कार्यक्रमों ने समाज में नई वैचारिक जागृति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया है।

यह संतोष का विषय है कि भावी पीढ़ी को संस्कारित करने वाली ज्ञानशालाओं का विस्तार निरंतर हो रहा है। आज मुंबई अंचल की 64 ज्ञानशालाओं में लगभग 2150 ज्ञानार्थी संस्कार एवं ज्ञान अर्जित कर रहे हैं, जिन्हें 470 से अधिक समर्पित प्रशिक्षिकाएँ अपना अमूल्य समय और स्नेह प्रदान कर रही हैं।

इसके साथ ही, मुंबई सभा की बहुप्रतीक्षित योजना—नवीन कार्यालय एवं 'चित्त समाधि केंद्र'—का निर्माण कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर है। आने वाले समय में यह केंद्र महानगरीय जीवन की व्यस्तता के बीच ध्यान, आत्मचिंतन और मानसिक शांति का एक प्रेरणादायी केंद्र सिद्ध होगा।

किसी भी संगठन की सफलता केवल व्यक्तिगत पुरुषार्थ से नहीं, बल्कि सामूहिक सहयोग, विश्वास और समन्वय से संभव होती है। मैं हृदय की गहराइयों से यशस्वी सभा अध्यक्ष श्री माणक जी धींग, समस्त पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों एवं मुंबई श्रावक समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास रखकर पुनः इस दायित्व के योग्य समझा।

हमारी पूरी टीम का सदैव एक ही ध्येय रहा—
"परंपरा में नवाचार, अनुशासन में संवेदना और सेवा में अटूट समर्पण।"

इसी भावना के साथ हम सबने मिलकर एक ऐसे सुदृढ़ एवं संस्कारित संगठन के निर्माण का प्रयास किया है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सके।

आइए, हम सब अपनी संगठन-शक्ति, पारस्परिक सद्भाव और अटूट गुरु-निष्ठा के साथ तेरापंथ धर्मसंघ की प्रभावना को निरंतर नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने हेतु संकल्पित रहें।

कृतज्ञोऽस्मि।

दिनेश सुतरिया
मंत्री
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई

नवीन सभा कार्यालय सह आचार्य श्री महाश्रमण चित्त समाधि केंद्र
प्रशासनिक एवं सेवा के नए सोपान

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई के इतिहास में कार्यकाल 2024-2026 बुनियादी और प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से एक युगांतरकारी अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है। मुंबई महानगर के बीच धर्मसंघ की केंद्रीय गतिविधियों के प्रशासनिक संचालन तथा चारित्रात्माओं (साधु-साध्वियों) की चिकित्सा-सेवा हेतु घाटकोपर में एक स्थायी और भव्य परिसर को साकार रूप दिया गया है।

आधारभूत सहयोग

परम-पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के ऐतिहासिक चतुर्मास के उपलक्ष्य में निर्मित आचार्य श्री महाश्रमण मुंबई चातुर्मासिक प्रवास व्यवस्था समिति 2023 के अवशेष फंड का सदुपयोग करते हुए नवीन सभा कार्यालय सह आचार्य महाश्रमण चित्त समाधि केंद्र के निर्माण का प्रकल्प सामने आया। प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री मदनलालजी तातेड़ के नेतृत्व में सभी अनुदानदाताओं के सहयोग एवं समर्थन से इस केंद्र की योजना को आकार मिला।

स्थल का क्रय एवं विधिक पंजीकरण

मुंबई सभा की दूरगामी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए केवली प्लाजा, हींगवाला लेन, घाटकोपर (पश्चिम) में एक विशाल, भव्य एवं सर्वसुविधायुक्त नवीन स्थल का क्रय किया गया। इस परिसर की सभी वैधानिक प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हुए 20 मार्च 2026 को शासकीय नियमों के अंतर्गत इसका सफल रजिस्ट्रेशन (शासकीय पंजीकरण) संपन्न करा लिया गया। यह स्थल मुंबई सभा के 'मुख्य कार्यालय' के रूप में विज़िटर्स, प्रशासनिक अभिलेखागार और कार्यकारिणी बैठकों का मुख्य केंद्र बनेगा।

आचार्य श्री महाश्रमण चित्त समाधि केंद्र: मुख्य उद्देश्य

इस नवनिर्मित परिसर का एक प्रमुख उद्देश्य धर्मसंघ के प्रति हमारे सर्वोच्च दायित्व—"साधु-साध्वियों की चिकित्सा एवं साताकारी प्रवास सेवा" को समर्पित करना है। पूज्य प्रवर के पावन नाम पर स्थापित होने जा रहा यह 'आचार्य श्री महाश्रमण चित्त समाधि केंद्र' आधुनिक चिकित्सा आवश्यकताओं, और आध्यात्मिक एकांत के सुंदर समन्वय के साथ तैयार किया जा रहा है, जो अस्वस्थता की स्थिति में चारित्रात्माओं के बिराजने के लिए एक अनुपम और अत्यंत साताकारी प्रवास स्थल सिद्ध होगा।

इंटीरियर डिज़ाइनिंग एवं निर्माण कार्य की प्रगति

पंजीकरण की विधिक प्रक्रिया पूर्ण होते ही, कार्यकारिणी की सर्वसम्मति से इस पूरे प्रोजेक्ट के इंटीरियर, लेआउट और सुसज्जीकरण का कार्य प्रगति पर है।

- **कुशल पर्यवेक्षण**: कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सभा द्वारा श्री दिनेश चपलोत एवं श्री सतीश मेहता को अधिकृत किया गया है, जिनकी देखरेख में इंटीरियर का कार्य अत्यंत द्रुत गति से प्रगति पर है।
- **आर्थिक सहयोग**: इस वृहद् प्रोजेक्ट के लिए अनेक दानदाताओं ने संरक्षक एवं संपोषक श्रेणी में अपना नाम लिखवा कर इस कार्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

भव्य उद्घाटन समारोह

भवन निर्माण का कार्य अब अंतिम चरण में पहुँच चुका है तथा अतिशीघ्र पूर्ण होने की ओर अग्रसर है। संभावित रूप से आगामी अगस्त माह में इसके भव्य लोकार्पण समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस गौरवपूर्ण अवसर पर इस महत्त्वपूर्ण प्रकल्प में सहयोग प्रदान करने वाले सभी अनुदानदाताओं का सम्मान एवं अभिनंदन किया जाएगा।

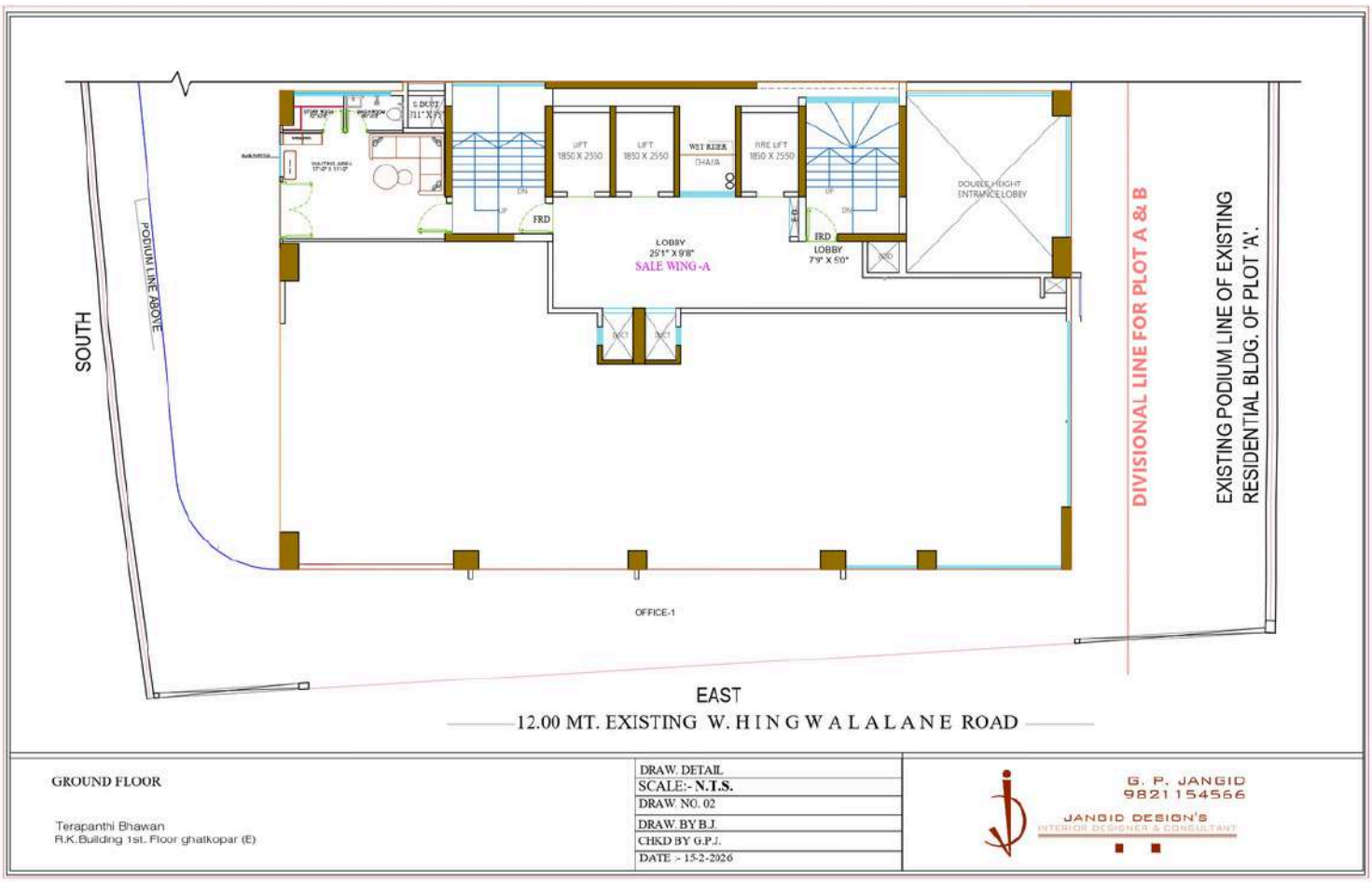

GROUND FLOOR

Terapanthi Bhawan
R.K.Building 1st. Floor ghatkopar (E)

DRAW. DETAIL	
SCALE:- N.T.S.	
DRAW. NO. 02	
DRAW. BY B.J.	
CHKD BY G.P.J.	
DATE :- 15-2-2026	

G. P. JANGID
9821154566
JANGID DESIGN'S
INTERIOR DESIGNER & CONSULTANT

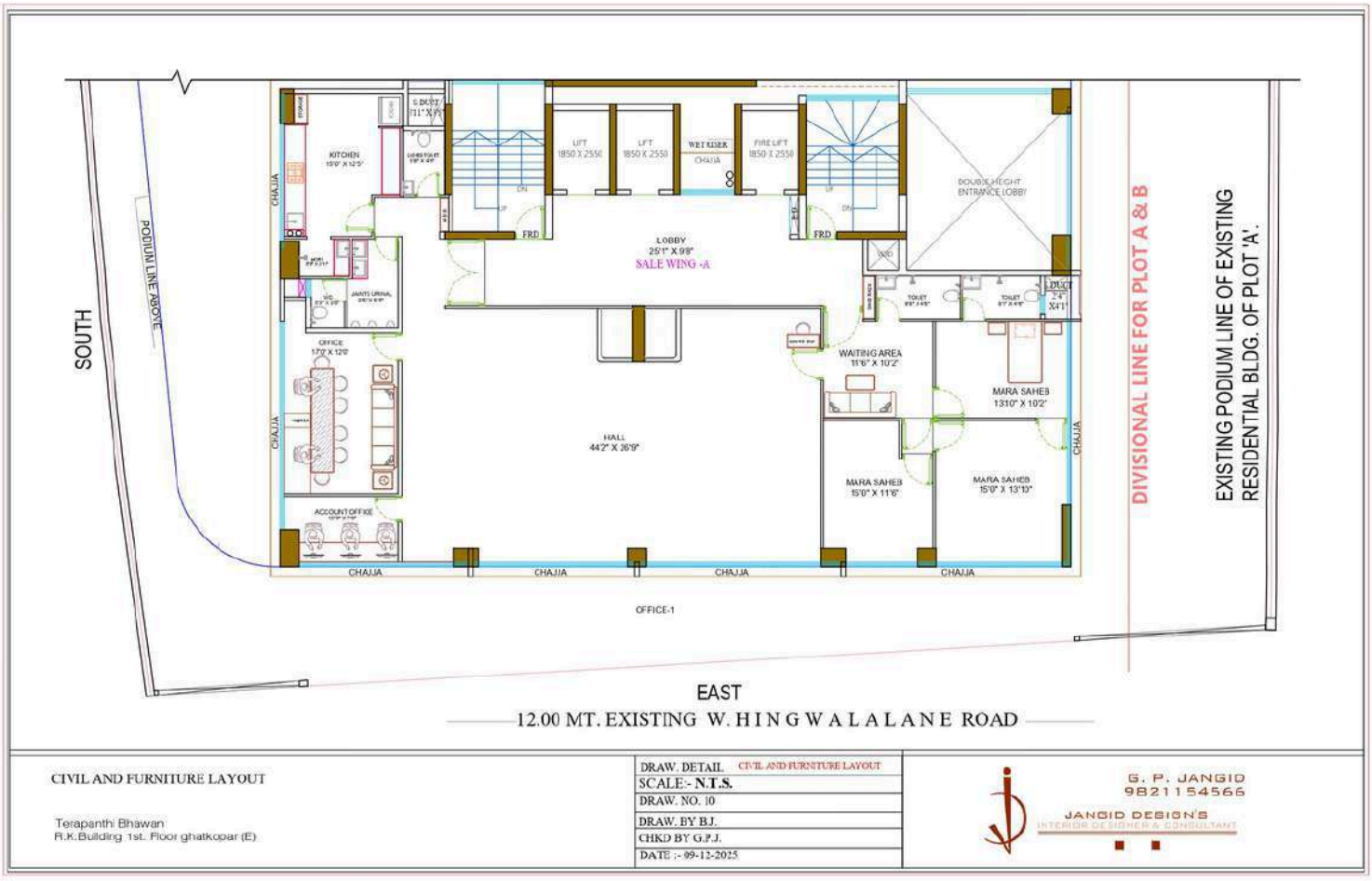

CIVIL AND FURNITURE LAYOUT

Terapanthi Bhawan
R.K.Building 1st. Floor ghatkopar (E)

DRAW. DETAIL	CIVIL AND FURNITURE LAYOUT
SCALE:- N.T.S.	
DRAW. NO. 10	
DRAW. BY B.J.	
CHKD BY G.P.J.	
DATE :- 09-12-2025	

G. P. JANGID
9821154566
JANGID DESIGN'S
INTERIOR DESIGNER & CONSULTANT

मुंबई ज्ञानशाला विभाग

सक्रिय ज्ञानशालाएं
65

समर्पित प्रशिक्षिकाएं
470+

संस्कारी ज्ञानार्थी
2150+

मुंबई ज्ञानशाला विभाग

१. प्रशासनिक एवं सांगठनिक सुदृढ़ता

- **दायित्व हस्तांतरण समारोह "संकल्प":** कांदिवली के राजभवन में पूज्य प्रवर आचार्य श्री महाश्रमण जी की प्रबुद्ध शिष्या साध्वी श्री डॉ. मंगलप्रज्ञा जी आदि ठाणा ५ के पावन सान्निध्य में ज्ञानशाला विभाग के दायित्व हस्तांतरण कार्यक्रम "संकल्प-बाल शक्ति के ऊर्ध्वारोहण" का भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर निवर्तमान आंचलिक संयोजिका श्रीमती अनिता परमार ने सत्र 2024-2026 के लिए नव-मनोनीत आंचलिक संयोजिका श्रीमती राजश्री कच्छारा को बेज पहनाकर दायित्व सौंपा. नई आंचलिक संयोजिका ने अपनी ऊर्जावान कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए मुंबई ज्ञानशाला के आगामी विज़न को प्रस्तुत किया.
- **नेतृत्व एवं सांगठनिक मार्गदर्शन:** मुंबई सभा के अध्यक्ष श्री माणक धींग एवं मंत्री श्री दिनेश सुतरिया ने इस विभाग के सुचारू संचालन में निरंतर रुचि ली. अध्यक्ष महोदय ने महानगर के सभी अंचलों में ज्ञानार्थियों एवं ज्ञानशालाओं की संख्या में निरंतर वृद्धि करने हेतु प्रेरित किया, जबकि मंत्री महोदय ने ४०० से अधिक प्रशिक्षिकाओं की नि:स्वार्थ सेवाओं की भूरि-भूरि सराहना की.

२. प्रमुख त्रिदिवसीय आवासीय शिविर: "तेजस्वी भव"

बाल चेतना के ऊर्ध्वारोहण एवं नैतिक संस्कारों के बीजारोपण हेतु कांदिवली भवन के प्रांगण में २५, २६ और २७ अक्टूबर को त्रिदिवसीय आवासीय बाल संस्कार निर्माण शिविर "तेजस्वी भव" का ऐतिहासिक आयोजन किया गया.

- **सहभागिता**: इस वृहद् आवासीय शिविर में मुंबई अंचल के २७० ज्ञानार्थियों एवं १५० प्रशिक्षिकाओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई.
- **शिविर की मुख्य गतिविधियाँ एवं आध्यात्मिक उपक्रम**: * शिविर के दौरान बच्चों को आध्यात्मिक किट, त्याग कार्ड एवं ग्रुप आई.डी. कार्ड वितरित किए गए.
  - बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए प्रातःकालीन योग, प्रेक्षाध्यान, प्राणायाम तथा आसन के सत्र आयोजित किए गए.
  - साध्वी श्री डॉ. मंगलप्रज्ञा जी एवं साध्वी श्री चैतन्यप्रभा जी ने अपने पाथेय में बच्चों को तेजस्वी बनने के तीन व्यावहारिक सूत्र दिए तथा २५ बोल पर आधारित एक अत्यंत रोचक क्विज़ प्रतियोगिता का संचालन किया.
  - बच्चों के मनोरंजन और संस्कार निर्माण के लिए मैजिक शो, सेल्फ-डिफेंस तकनीक, आध्यात्मिक गेम्स, लघु नाटिकाएं ("विवेक खोया मानव रोया") तथा हाउजी के माध्यम से ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई.
  - मोबाइल डिटॉक्सिफिकेशन पर बल देते हुए पूज्य साध्वीवृन्द ने बच्चों को प्रेरित किया कि हिंसक वीडियो गेम्स से दूर रहकर वे ध्यान व मंत्र साधना द्वारा अपने क्रोध को शांत करें.
- **पुरस्कार एवं समापन**: समापन सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समूहों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया; जैसे Best All Rounder Group (Diamond Group), Best Enthusiastic Group (Amber Group) तथा Best Discipline Group (Mars Group).

३. ज्ञानशाला दिवस एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं

- **वृहद् ज्ञानशाला दिवस समारोह**: मुंबई सभा के निर्देशन में पूरे महानगर में ज्ञानशाला दिवस अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया. इस अभियान के अंतर्गत कुल ६४ ज्ञानशालाओं के १३६० ज्ञानार्थियों एवं ४०१ प्रशिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति में भव्य रैलियां निकाली गईं. इस वर्ष का मुख्य विषय "मोबाईल डिटॉक्स" था, जिस पर नन्हे बच्चों ने नाटकों और प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज में अनूठा संदेश दिया.
- **क्विज़ "Brain Buzz" का आगाज़**: भायंदर में विराजित साध्वी श्री पुण्ययशा जी की पावन सान्निधि में मुंबई ज्ञानशाला द्वारा ज्ञानार्थियों के बौद्धिक विकास हेतु "Brain Buzz: ज्ञान की जीत सवालों के बीच" नामक क्विज़ प्रतियोगिता के आधिकारिक बैनर का अनावरण केंद्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया.
- **आध्यात्मिक प्रतियोगिताएं**: बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने हेतु "Story With Props Competition" का आयोजन किया गया, जिसमें कुल २८ आध्यात्मिक वीडियो प्रविष्टियां प्राप्त हुईं. इस लाइव एग्जीबिशन प्रतियोगिता में विक्रोली पार्कसाइट ने प्रथम, मलाड भवन व चेंबूर ने द्वितीय तथा काजुपाड़ा व दक्षिण मुंबई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया.

४. प्रशिक्षिका संवर्धन एवं शैक्षणिक कार्यशालाएं

- **"नवज्ञा, नव विचार, नव दिशा" कार्यशाला (२ अक्टूबर)**: महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल, कालबादेवी के प्रांगण में मुनि श्री कुलदीप कुमार जी एवं मुनि श्री मुकुल कुमार जी के पावन सान्निध्य में लगभग १९० प्रशिक्षिकाओं के लिए इस विशेष एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ. कार्यशाला के अंतर्गत मुनिश्री ने ज्ञानशाला के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला तथा २-बोल, मिच्छामि दुक्कड़म और भक्तामर के वैज्ञानिक रहस्यों को उद्घाटित किया. इस दौरान प्रशिक्षिकाओं के लिए 'आशुभाषण प्रतियोगिता' भी आयोजित की गई.
- **द्विदिवसीय प्रशिक्षक रिफ्रेशर कार्यशाला (१६-१७ जुलाई):** तेरापंथ भवन कांदिवली में मुनिद्वय के सान्निध्य में आयोजित इस रिफ्रेशर कोर्स में ६० मुख्य प्रशिक्षिकाओं ने भाग लिया. इसमें सोमैया कॉलेज के विषय-विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक शिक्षण तकनीकों (Teaching Techniques via PPT), शुद्ध जैन तत्वज्ञान (२५ बोल), स्टोरी टेलिंग आर्ट, उच्चारण शुद्धि तथा क्राफ्ट एक्टिविटी पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया.

५. भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी उपक्रम: "बाल भक्ति-भिक्षु शक्ति"

- **ठाणे भवन में भव्य आयोजन:** आचार्य श्री भिक्षु के जन्म त्रिशताब्दी वर्ष (2025-26) के उपलक्ष्य में ठाणे माझीवाड़ा तेरापंथ भवन में बाल कलाकारों को एक वृहद् मंच प्रदान करते हुए "बाल भक्ति-भिक्षु शक्ति" कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ.
- **सांस्कृतिक प्रस्तुतियां**: मुंबई ज्ञानशाला द्वारा चयनित २६ सर्वश्रेष्ठ गायक ज्ञानार्थियों ने अपनी सुमधुर संगीतमय प्रस्तुतियों से संपूर्ण वातावरण को सिरियारी की तेरस जैसी भक्ति से सराबोर कर दिया. ठाणे ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा प्रस्तुत "भिक्षु क्रांति एक्सप्रेस" नाटक को दर्शकों द्वारा विशेष सराहना प्राप्त हुई.
- इस अवसर पर अभातेमं की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती रचना हिरण की विशिष्ट उपस्थिति रही. भिक्षु स्वामी के दृष्टांतों पर आधारित वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में नेरुल ज्ञानशाला प्रथम, घाटकोपर द्वितीय तथा सांताक्रूज़ तृतीय स्थान पर रही.

६. सत्र-अंत सम्मान समारोह: "साफल्य" एवं "संस्कार संपोषण"

- **"साफल्य" बाल संस्कार शिविर (१ मार्च २०१६):** महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शासन श्री साध्वी श्री शिवमाला जी के सान्निध्य में आयोजित इस एकदिवसीय शिविर में ४५० ज्ञानार्थियों, २१० प्रशिक्षिकाओं एवं १३५ अभिभावकों ने भाग लिया. खेल-खेल में जैन तत्वज्ञान सिखाने के साथ-साथ परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले बच्चों एवं ९१ प्रशिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया.
- **संस्कार संपोषण प्रतिभा पुरस्कार (१४ अप्रैल २०१६):** शासनश्री साध्वी श्री विद्यावती जी 'द्वितीय' के सान्निध्य में कांदिवली राजभवन में द्विवार्षिक कार्यकाल की उपलब्धियों के उत्सव स्वरूप यह अंतिम सम्मान समारोह आयोजित हुआ. पीपीटी (PPT) के माध्यम से दो वर्षों के स्वर्णिम पलों को साझा किया गया.
- **सर्वश्रेष्ठ ज्ञानशाला पुरस्कार (Zone-wise Awards):**
  - उभरती ज्ञानशाला: मानखुर्द और संतोष नगर.
  - उत्तम ज्ञानशाला: वाशी, खारघर, घाटकोपर, कोपरखैरने और सांताक्रूज़.
  - श्रेष्ठ ज्ञानशाला: डोंबिवली, भायंदर, पालघर, MDWS काजुपाड़ा और कांदिवली भवन.
  - विशिष्ट ज्ञानशाला: चेंबूर ज्ञानशाला.
  - सर्वश्रेष्ठ ज़ोन (Best Zones): डालगणी ज़ोन एवं कालूगणी ज़ोन.

निष्कर्ष: विगत दो वर्षों का यह कार्यकाल मुंबई ज्ञानशाला विभाग के इतिहास में बाल-संस्कार निर्माण, मोबाइल-मुक्त धार्मिक चेतना और प्रशिक्षिकाओं के कौशल उन्नयन की दृष्टि से अत्यंत साफल्यपूर्ण एवं ऐतिहासिक रहा है.

मुंबई क्षेत्रीय भवन निर्माण योजना

उपनगरीय इंफ्रास्ट्रक्चर का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई संपूर्ण महानगरीय क्षेत्र और उसके सुदूर उपनगरों में संघ की गतिविधियों के सुचारू संचालन तथा स्थानीय श्रावक समाज की भौतिक, धार्मिक एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु निरंतर प्रयत्नशील रही है। मुंबई जैसे भौगोलिक रूप से विस्तृत और सघन महानगर में अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ तेरापंथ भवन की नितांत आवश्यकता अनुभव की जा रही है, अथवा वर्तमान भवनों को स्थानांतरित कर नवीन एवं सर्वसुविधायुक्त परिसरों का निर्माण अनिवार्य हो गया है।

इन नवीन भवनों के माध्यम से स्थानीय श्रावक समाज के लिए नियमित ज्ञानशाला, धर्म आराधना, सामाजिक गतिविधियाँ एवं आध्यात्मिक अभिवृद्धि के अवसर सुलभ कराए जा सकें—ऐसी सामूहिक भावना निरंतर विभिन्न अंचलों से प्राप्त हो रही थी। यद्यपि कुछ क्षेत्रों में परिवारों की संख्या सीमित होने के कारण स्थानीय स्तर पर भवन निर्माण हेतु पर्याप्त आर्थिक संसाधन एकत्र कर पाना संभव नहीं हो पाता। ऐसी विकट परिस्थिति में यदि मुंबई का समग्र तेरापंथ समाज सहयोग हेतु आगे आए, तो इन क्षेत्रों की वर्षों पुरानी अपेक्षाएं पूर्ण हो सकती हैं।

- इन्हीं दूरगामी विचारों को दृष्टिगत रखते हुए श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई की दिनांक ५ जुलाई २०२५ को आयोजित महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक में "मुंबई क्षेत्रीय तेरापंथ भवन निर्माण योजना" को सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस योजना के अंतर्गत उपनगरीय अंचलों में भवन निर्माण अथवा खरीद हेतु सहयोग के लिए सांगठनिक नियमों, प्रावधानों एवं पात्रता की शर्तों का निर्धारण किया गया है, जो निम्नानुसार हैं:

सहयोग हेतु पात्रता एवं अनिवार्य शर्तें

योजना की वैधानिकता, प्रामाणिकता और पारदर्शिता को अक्षुण्ण रखने के लिए निम्नलिखित सात प्रमुख विधिक एवं भौतिक नियम निर्धारित किए गए हैं:

- **भवन का स्थान**: प्रस्तावित भवन का स्थान व्यावहारिक सुगमता की दृष्टि से केवल भूतल (Ground Floor) या प्रथम मंजिल पर ही स्थित होना अनिवार्य है।
- **भौगोलिक स्थिति**: भवन के आसपास के परिसर में पर्याप्त संख्या में तेरापंथी परिवारों की सघन बसावट (आवास) होनी चाहिए, ताकि केंद्र की उपयोगिता बनी रहे।
- **आवेदन प्रक्रिया**: वित्तीय सहयोग हेतु संबंधित स्थानीय तेरापंथी सभा अथवा ट्रस्ट द्वारा मुख्य सभा को एक लिखित आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, जिसके साथ प्रस्तावित भवन के विधिक स्वामित्व दस्तावेज़ (Ownership Documents) संलग्न होने आवश्यक हैं।
- **कानूनी पंजीकरण**: आवेदन करने वाली संबंधित स्थानीय संस्था/ट्रस्ट आयकर अधिनियम की धारा 12A के अंतर्गत विधिक रूप से पंजीकृत होनी चाहिए। ट्रस्ट के प्रारूप को महासभा द्वारा लिखित अनापत्ति प्राप्त होनी आवश्यक होगी।
- **विवाद रहित स्थिति**: समाज में सौहार्द बना रहे, इस हेतु प्रस्तावित भवन या भूमि को लेकर स्थानीय समाज या न्यायालय में कोई भी विवाद लंबित नहीं होना चाहिए। इस 'विवाद रहित स्थिति' का स्पष्ट उल्लेख आवेदन पत्र में अनिवार्य रूप से किया जाए।
- **आर्थिक सहयोग की सीमा**: इस योजना के अंतर्गत मुंबई सभा द्वारा न्यूनतम ₹25लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया जाएगा। संबंधित क्षेत्र की आवश्यकता एवं अनुदानदाताओं की उपलब्धता के आधार पर इस वित्तीय सहायता राशि को अधिकतम ₹50 लाख रुपये तक बढ़ाया जा सकता है।
- **अन्य संस्थाओं से सहयोग**: यदि स्थानीय संस्था द्वारा मुख्य सभा के अतिरिक्त अन्य किन्हीं संस्थाओं से भी सहायता हेतु आवेदन किया गया हो, तो उन सभी से संबंधित पत्राचार एवं उनकी शर्तों की पूर्ण जानकारी मुंबई सभा को प्रदान करना वैधानिक रूप से अनिवार्य होगा।

विशेष निर्देश

योजना के वित्तीय अनुशासन को बनाए रखने के लिए कार्यकारिणी द्वारा निम्नलिखित विशेष मार्गदर्शक निर्देश तय किए गए हैं:

- यह योजना केवल उन्हीं क्षेत्रीय प्रोजेक्ट्स के लिए मान्य होगी, जहाँ भवन की कुल लागत अधिकतम ₹५ करोड़ रुपये तक हो।
- निर्मित या क्रय किए जाने वाले भवन का उपयोग पूर्णतः धार्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों (जैसे ज्ञानशाला, सामायिक साधना, जैन विद्या स्वाध्याय) हेतु ही प्रस्तावित होना चाहिए

खारघर नवीन भवन निर्माण को वित्तीय संपोषण

क्षेत्रीय भवन निर्माण योजना के अंतर्गत सर्वप्रथम खारघर क्षेत्र को सहयोग प्रदान किया गया। नवी मुंबई के खारघर क्षेत्र में समाज की तीव्र गति से बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप एक विशाल और भव्य नवीन तेरापंथ भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस महत्वाकांक्षी क्षेत्रीय योजना के सुचारू संचालन को सुदृढ़ करने के लिए मुंबई सभा ने सहयोग करने का संकल्प दोहराया है। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई की प्रेरणा से इस उपक्रम को गति देने में मुख्य रूप से श्री माणक जी धींग, श्री मदनलाल जी तातेड़, श्री चांद रतन जी दूगड़, श्री मेघराज जी धाकड़, श्री सुरेन्द्र जी कोठारी, श्री बी. सी. भालावत, श्री प्यारचंदजी मेहता आदि अनुदानदाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ है।

समग्र आह्वान

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई समस्त महानगरीय अंचलों के श्रावक समाज से यह निवेदन करती है कि यदि आपके क्षेत्र में भवन निर्माण या पुनर्निर्माण हेतु सहयोग की आवश्यकता हो, तो नियमानुसार अविलंब अपना आवेदन मुख्य सभा के समक्ष प्रस्तुत करें। आपके क्षेत्र के विकास में सहयोग की भावना, योजना की पूर्ण पारदर्शिता और धार्मिक समर्पण ही इस भगीरथ योजना की सफलता के मूल आधार हैं।

साधु-साध्वियों की चिकित्सा एवं विहार सेवा

श्रद्धामयी वैयावृत्य एवं तत्पर प्रबंधन

चिकित्सा सेवा

तेरापंथ धर्मसंघ की महान श्रमण परंपरा में अस्वस्थ चारित्रात्माओं (साधु-साध्वियों) की सेवा-सुश्रूषा और वैयावृत्य को निर्जरा का उत्कृष्ट माध्यम तथा श्रावक समाज का परम सौभाग्य माना गया है। महानगर मुंबई देश का एक सर्वप्रमुख चिकित्सा केंद्र है, जहाँ प्रतिवर्ष कई चारित्रात्माएं विभिन्न असाध्य व्याधियों के उपचार, शल्य चिकित्सा (Surgeries) और स्वास्थ्य लाभ हेतु पधारती हैं। विगत सत्र (2024-2026) के दौरान मुंबई सभा ने पूज्य संतों के शारीरिक स्वास्थ्य की सार-संभाल तथा संयम यात्रा को निर्विघ्न बनाए रखने के लिए एक अत्यंत संवेदनशील और सुदृढ़ सेवा-तंत्र का संचालन किया।

१. चिकित्सा सेवा एवं अस्पताल समन्वय

उपचार हेतु मुंबई पधारने वाली सभी चारित्रात्माओं के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित चिकित्सालयों, शीर्ष सर्जनों और सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के साथ निरंतर तालमेल बनाए रखा गया। चिकित्सा संबंधी परामर्श, Diagnostic Tests तथा अपेक्षित चिकित्सा सुविधाओं को बिना किसी विलंब के अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित किया गया।

२. समर्पित सेवादार और मर्यादाओं का सजग पालन

चिकित्सा काल के दौरान साधु-साध्वियों के आहार, पानी, दवाइयों और गोचरी की जैन शास्त्रों में वर्णित मर्यादाओं का अक्षरशः ध्यान रखा गया। इसके लिए सेवाभावी श्रावक-श्राविकाएं हमेशा तत्पर रहते हैं, ताकि उपचार के साथ-साथ उनके संयम मार्ग में कोई व्यवधान न आए।

३. इस आयाम के विशिष्ट सहयोगी

इस कार्यकाल में चारित्रात्माओं की चिकित्सा सेवा के इस अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी भरे दायित्व को धरातल पर क्रियान्वित करने में चिकित्सा सेवा प्रभारी श्री नरेन्द्रजी तातेड़ एवं श्री नवरतनजी गन्ना ने अपनी अद्वितीय और निष्काम सेवाएं समर्पित कीं। इसके अतिरिक्त डी. सी. सुराणा, दिलीपजी सरावगी, श्वेताजी सुराणा, विनोदजी डागलिया, राजेन्द्रजी मुणोत तथा सभी क्षेत्रों की विशेषकर चातुर्मासिक क्षेत्रों के सभा, युवक परिषद महिला मण्डल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अपना योगदान दिया।

रास्ते की सेवा (विहार प्रबंधन)

मुंबई महानगर में अनेक क्षेत्रों में साधु-साध्वियों के चतुर्मास होते हैं। प्रायः-प्रायः इन सभी चारित्रात्माओं की मार्ग-सेवा का उत्तरदायित्व वर्षों से मुंबई सभा ही संभालती आ रही है। साधु-साध्वियों के पदविहार, सुरक्षा और प्रवास व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई द्वारा "रास्ते की सेवा" का बेजोड़ और अनुकरणीय आयाम संचालित किया जा रहा है।

१. अग्रिम मार्ग निरीक्षण एवं विश्राम व्यवस्था

चारित्रात्माओं के विहार से पूर्व ही सेवाभावी कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे मार्ग का भौतिक निरीक्षण (Route Survey) किया जाता है। संतों के रात्रि विश्राम, मध्याह्न काल के ठहराव के लिए शुद्ध एवं प्रासुक स्थलों का अग्रिम चयन किया जाता है। विहार के दौरान यातायात के बीच चारित्रात्माओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काशीद एवं श्रावक-श्राविकाएं साथ चलते हैं।

२. चातुर्मासिक एवं विहार काल का सुदृढ़ समन्वय

चातुर्मास काल में विभिन्न उपनगरों में बिराजने वाले संतों की संभाल से लेकर देश के अन्य अंचलों की ओर विहार करने वाले पूज्य मुनिवृंद व साध्वीवृंद की मार्ग-सेवा को मुंबई सभा ने अपनी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रखा।

३. इस आयाम के विशिष्ट सहयोगी

रास्ते की सेवा के इस वृहद् और श्रमसाध्य अनुष्ठान को चातुर्मासिक क्षेत्रों की त्रिस्तरीय इकाइयों—स्थानीय सभाओं, तेरापंथ युवक परिषदों तथा महिला मंडलों के समर्पित कार्यकर्ताओं के सहयोग से मुंबई सभा ने पुरुषार्थ कर कार्यक्रमों और विहारों को सुगम बनाया। रास्ते की सेवा की संपूर्ण व्यवस्था में विनोदजी कोठारी (ठाणे), अंजुजी कोठारी (चेंबूर) तथा चंद्रप्रकाशजी सोलंकी (बोईसर) का अनुकरणीय व सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

चिकित्सा सहायता, शैक्षणिक ऋण एवं सहयोग
शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में मुंबई सभा की सहभागिता

चिकित्सा सहयोग

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई सामाजिक सरोकारों और लोक-कल्याण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती रही है। महानगर मुंबई देश का सबसे बड़ा चिकित्सा हब माना जाता है, जहाँ महँगी स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण कई बार मध्यम व निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों का इलाज कराना एक अत्यंत दुरूह वित्तीय चुनौती बन जाता है। इसी मानवीय वेदना को समझते हुए मुंबई सभा द्वारा अत्यंत संवेदनशीलता के साथ 'मेडिकल हेल्प' (चिकित्सा सहायता) का आयाम संचालित किया जा रहा है।

पारदर्शी एवं त्वरित सहायता प्रबंधन

विगत दो वर्षों के कार्यकाल में सभा ने अक्षय कोष के ब्याज के माध्यम से समाज के आर्थिक रूप से विपन्न और जरूरतमंद परिवारों के लिए कार्य किया है। इस आयाम के अंतर्गत एक लाख रुपये तक की मेडिकल हेल्प प्रदान की जाती है। इस आयाम के अंतर्गत हृदय रोग, कैंसर, किडनी रोग, शल्य चिकित्सा (Surgeries) तथा अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओं के मामलों में आवेदकों की स्थिति की त्वरित और गोपनीय जांच कर वित्तीय सहायता राशि उपलब्ध कराई गई।

शिक्षा-सहायता

किसी भी समाज व राष्ट्र के सतत विकास का मूल आधार शिक्षा है। उच्च शिक्षा की बढ़ती लागत के इस दौर में समाज का कोई भी होनहार विद्यार्थी केवल धन के अभाव में अपने सपनों को पूरा करने से वंचित न रह जाए, इस हेतु श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ 'एजुकेशन लोन एवं हेल्प' (शैक्षणिक ऋण और सहायता) उपक्रम का संचालन कर रही है। यह गतिविधि अक्षय कोश के ब्याज से संचालित होती है।

ब्याज मुक्त ऋण एवं छात्रवृत्ति का स्वरूप

इस दूरगामी आयाम के अंतर्गत जरूरतमंद एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को दीर्घकालिक और सुगम शर्तों पर एजुकेशन लोन उपलब्ध कराया गया है। बिना ब्याज के एक लाख रुपये तक का लोन उपलब्ध करवाया जाता है। वहीं स्कूल फीस हेतु प्रथम बच्चे के लिए 20,000, दूसरे बच्चे के लिए 10,000 तथा तीसरे बच्चे के लिए भी 10,000 का सहयोग उपलब्ध करवाया जाता है।

अक्षयकोष सम्पोषक योजना: सेवा और स्वावलंबन का सुदृढ़ आधार

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई की जनकल्याणकारी प्राथमिकताओं में 'अक्षयकोष सम्पोषक योजना' एक अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं दूरगामी प्रकल्प है। समाज के जरूरतमंद परिवारों को चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र में संबल प्रदान करने तथा चारित्रात्माओं की वैयावृत्य (चिकित्सा सेवा) एवं रास्ते की सेवा को सुचारू बनाए रखने के ध्येय से इस स्थायी कोष की स्थापना की गई है।

समाज के उदारमना दानदाताओं से प्राप्त सहयोग राशि को सुरक्षित वित्तीय निवेश (फिक्स्ड डिपॉजिट) के रूप में बैंक में आरक्षित किया गया है। योजना की विशेषता यह है कि इसकी मूल पूंजी को पूर्णतः अक्षुण्ण (सुरक्षित) रखते हुए, केवल प्राप्त होने वाले वार्षिक ब्याज का उपयोग समाज के हितार्थ किया जाता है।

विगत कार्यकाल के दौरान इस पावन और लोकोपकारी कोष को और अधिक सुदृढ़ बनाने में निम्नलिखित श्रावक-श्राविकाओं ने अपना अमूल्य एवं अनुकरणीय वित्तीय संपोषण प्रदान किया है:

- श्रीमती उषा माणक जी धींग
- श्री राजकुमार जी, श्री दिनेश जी चपलोत
- श्री रोशनलाल जी हगामीलाल जी कोठारी
- श्रीमती बसंती देवी देवीलाल जी पोरवाल

मुंबई सभा इन सभी उदार दानदाताओं के प्रति अंतस से कृतज्ञता ज्ञापित करती है, जिनके इस योगदान से सेवा के इस प्रकल्प को नई ऊर्जा प्राप्त हुई है।

गुरुदर्शन यात्रा (सूरत एवं अहमदाबाद)
श्रद्धा, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा का महासंगम

"गुरु चरणों में समर्पित श्रावक चेतना: सूरत से अहमदाबाद तक का स्वर्णिम सफर"

तेरापंथ धर्मसंघ के श्रावकों के जीवन में आराध्य देव के दर्शन, सेवा और उनके पावन पाथेय का श्रवण आत्मिक उन्नति का सर्वोच्च सोपान माना गया है। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई अपने श्रावक समाज को गुरु-ऊर्जा से जोड़े रखने और आध्यात्मिक रूप से पल्लवित करने हेतु निरंतर प्रयासरत रही है। इसी पावन उद्देश्य को समर्पित करते हुए विगत कार्यकाल में मुंबई सभा के तत्वावधान में दो ऐतिहासिक और अत्यंत सफल 'गुरुदर्शन यात्राओं' का आयोजन किया गया, जिन्होंने श्रावक निष्ठा में एक नया अध्याय जोड़ दिया।

वर्ष 2024: सूरत गुरुदर्शन यात्रा

परम पूज्य चारित्र-विभूति, शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन चातुर्मासिक प्रवास (2024) के दौरान मुंबई सभा द्वारा सूरत की एक वृहद् और अनुशासित गुरु-दर्शन यात्रा का आयोजन किया गया।

- आयोजन एवं कुशल व्यवस्था: सूरत की भौगोलिक समीपता को देखते हुए यात्रा प्रबंधन को सुंदर रूप दिया गया। मुंबई के विभिन्न अंचलों से बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं इस आध्यात्मिक यात्रा के साक्षी बने।

वर्ष 2025: अहमदाबाद महाश्रमण वंदन यात्रा

वर्ष 2025 में पूज्य प्रवर के अहमदाबाद प्रवास के दौरान द्वितीय भव्य 'महाश्रमण वंदन यात्रा' का शंखनाद किया गया।

- आध्यात्मिक विमर्श और पाथेय: अहमदाबाद के पावन प्रांगण में मुंबई सभा के विशाल प्रतिनिधिमंडल ने पूज्य प्रवर के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुदेव के मुखारविंद से निसृत अमृतवाणी को आत्मसात कर मुंबई का श्रावक समाज कृतकृत्य हुआ।
- उदारमना प्रायोजक: अहमदाबाद महाश्रमण वंदन यात्रा को सांगठनिक व वित्तीय रूप से मजबूती प्रदान करने में मुख्य प्रायोजक—श्री सोहनलाल जी, श्री मेघराज जी एवं श्री अजीत जी धाकड़ का अनुकरणीय सहयोग प्राप्त हुआ।

इस आयाम का सांगठनिक महत्व एवं प्रभाव

इन दोनों गुरुदर्शन यात्राओं (सूरत एवं अहमदाबाद) का मुख्य ध्येय केवल दर्शन मात्र नहीं था, बल्कि इसके माध्यम से मुंबई सभा ने समाज के भीतर:

- बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को धर्मसंघ की मुख्यधारा और गुरु-इंगितों से सीधे जोड़ा।
- मुंबई महानगरीय क्षेत्र की त्रिस्तरीय इकाइयों (स्थानीय सभा, युवक परिषद और महिला मंडल) के बीच सांगठनिक जुड़ाव और सहकार की भावना को और अधिक प्रगाढ़ किया।
- पूज्य प्रवर के पावन सान्निध्य में कई आध्यात्मिक संकल्प, त्याग-प्रत्याख्यान और सामायिक साधना के विशेष उपक्रमों को गति प्रदान की।

कृतज्ञता ज्ञापन: इन यात्राओं को सुचारु रूप देने के लिए विनोदजी बोहरा, सतीशजी मेहता, निर्मलजी कुमठ, गौतमजी कोठारी, दिनेशजी चपलोत और विशेषकर घाटकोपर एवं कांदिवली के समर्पित कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई उन सभी के प्रति अंतस की गहराइयों से कृतज्ञता ज्ञापित करती है।

सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा
संपर्क, संवाद और सांगठनिक सुदृढ़ता का महाअभियान

एकता का संदेश, साधार्मिक सहकार और महानगरीय अंचलों का सुदृढ़ समन्वय

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई केवल मुख्य प्रशासनिक केंद्रों तक सीमित न रहकर संपूर्ण मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और सुदूर उपनगरीय अंचलों में बसे श्रावक समाज को एक सूत्र में पिरोए रखने हेतु निरंतर कटिबद्ध रही है। एक विशाल महानगर के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले साधार्मिक भाई-बहनों के बीच वैचारिक एकरूपता लाने, उनके साथ सीधा जीवंत संवाद स्थापित करने, सभा के उपक्रमों की जानकारी देने तथा पारिवारिक-सामाजिक सौहार्द बढ़ाने के उद्देश्य से इस कार्यकाल के दौरान 'सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा' का एक अत्यंत विज़नरी अभियान चलाया गया।
केंद्रीय पदाधिकारियों की विशेष टीम ने इस यात्रा के माध्यम से मुंबई अंचल के विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा किया। इस महाअभियान के अंतर्गत सभी क्षेत्रों में स्थानीय सभा, तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप), महिला मंडल और ज्ञानशाला परिवार के समर्पित कार्यकर्ताओं ने अपूर्व उत्साह के साथ कार्यक्रमों को सफल बनाया। सभी क्षेत्रों में यात्रा की संक्षिप्त रूपरेखा एवं सांगठनिक ब्योरा निम्नानुसार है:

भांडुप (यात्रा का शुभारंभ)

सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा का ऐतिहासिक शंखनाद भांडुप क्षेत्र से हुआ। नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप के पश्चात भांडुप सभा के अध्यक्ष पुखराज जी सिंघवी ने अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया तथा महिला मंडल ने भावपूर्ण मंगलाचरण प्रस्तुत किया। सभा अध्यक्ष श्री माणक धींग ने सभा की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं व उपक्रमों की जानकारी दी। वरिष्ठ श्रावक श्री नरेन्द्र जी तातेड़ ने धार्मिक चेतना के विस्तार हेतु नए उपासक तैयार करने का आह्वान किया। यात्रा संयोजक श्री मनोहर जी गोखरु ने 'पारिवारिक शारीरिक ऑडिट' व आपसी संवाद की महत्ता पर बल दिया तथा पूर्व अध्यक्ष श्री विनोद जी कच्छारा ने जरूरतमंद परिवारों हेतु सामूहिक विवाह की जिम्मेदारी लेने की घोषणा की। स्थानीय तेयुप अध्यक्ष सीए शैलेश जी सिंघवी, महिला मंडल अध्यक्षा रेणू जी बोथरा, ज्ञानशाला से सीमा जी कोठारी सहित अनेक गणमान्यों ने सांगठनिक विचार साझा किए।

काजुपाड़ा

काजुपाड़ा आगमन पर तेयुप अध्यक्ष अंकुर जी सिंघवी ने केंद्रीय टीम का स्वागत किया और स्मरण सितारे ग्रुप द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष श्री माणक धींग ने समाज को संगठित रखने व सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। संयोजक श्री मनोहर जी गोखरु ने स्वस्थ जीवन शैली और पारिवारिक संवाद के सूत्र दिए। कार्यक्रम में मुंबई ज्ञानशाला की आंचलिक सह-संयोजिका अंजू जी चौधरी, महिला मंडल अध्यक्षा अनीता जी पगारिया, निवर्तमान अध्यक्ष नरेश जी पगारिया तथा जैन संस्कारक महावीर जी चौधरी व संजय जी चौधरी ने भी महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

विक्रोली

विक्रोली तेरापंथ भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विक्रोली सभा के अध्यक्ष जयतीलाल जी बोथिया के स्वागत वक्तव्य एवं ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं के मंगलाचरण से हुआ। अध्यक्ष श्री माणक धींग तथा पूर्व अध्यक्ष नरेश जी तातेड़ ने ज्ञानशाला से अधिकाधिक बच्चों को जोड़ने एवं उपासक श्रेणी कार्यशालाओं को गति देने की बात कही। संयोजक श्री मनोहर जी गोखरु ने सामयिक, कायोत्सर्ग और रोजमर्रा के प्रायोगिक धर्म द्वारा शांत रहने की प्रेरणा दी। तेयुप अध्यक्ष मनीष जी बोहरा ने विक्रोली अंचल की समस्त गतिविधियों का एक शानदार वीडियो प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। स्थानीय वरिष्ठ श्रावक लक्ष्मीलाल जी चंडालिया सहित विक्रोली के धर्म परिवार की उपस्थिति में मंत्री भरत कोठारी के आभार ज्ञापन के साथ संघ गान द्वारा कार्यक्रम संपन्न हुआ।

घाटकोपर

शासन श्री कच्छी भवन में आयोजित इस यात्रा कार्यक्रम को पूज्य साध्वीवृंद का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ, जिन्होंने श्रावक समाज को धार्मिक रूप से सक्रिय रहने का पाथेय दिया। केंद्रीय टीम के साथ श्री नरपत रांका, हर्षिल एवं ऋषि ने भी सहभागिता की। स्थानीय सभा अध्यक्ष शांतिलाल कोठारी, मंत्री संजय सोनी, तेयुप अध्यक्ष नीलेश कच्छारा और महिला मंडल अध्यक्षा मंजू बडाला ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। समाज की गरिमामयी उपस्थिति के बीच सुरेश जी जैन ने आभार ज्ञापन किया।

पनवेल

पनवेल तेरापंथ भवन में आयोजित कार्यक्रम में श्रमण संघ साध्वी श्रेष्ठा तथागत जी, मुंबई सभा उपाध्यक्ष लक्ष्मीलाल चंडालिया, मंत्री हीरालाल मंडोत और पनवेल सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नत्थू गुंदेचा के साथ गहन विमर्श हुआ। पनवेल सभा मंत्री दिनेश चौधरी ने सभी का स्वागत किया। मुंबई सभा के सहमंत्री विनोद बाफना ने सभा के विस्तृत कार्य क्षेत्रों की जानकारी साझा की। अध्यक्ष श्री माणक धींग ने आश्वस्त किया कि मुंबई सभा तन-मन-धन से प्रत्येक क्षेत्र के साथ है और 'मुंबई क्षेत्रीय परिषद भवन निर्माण योजना' के माध्यम से स्थानीय भवनों को वित्तीय संबल प्रदान किया जा रहा है।

खारघर

खारघर तेरापंथ भवन में स्थानीय सभा मंत्री महावीर जी बोथरा ने अतिथियों का स्वागत किया। खारघर सभा अध्यक्ष सुरेश पटावरी, तेयुप अध्यक्ष शैलेश सोनी और महिला मंडल अध्यक्षा भावना सोनी ने अपने विचार रखे। अध्यक्ष श्री माणक धींग ने आश्वस्त किया कि खारघर कैंसर फंड सहित समाज की हर जिम्मेदारी के निर्वहन हेतु मुख्य सभा सदा तत्पर है। स्थानीय कोषाध्यक्ष मुकेश मेहता ने केंद्रीय टीम के इस विज़नरी प्रयास की भूरि-भूरि सराहना की।

कामोठे

उपनगरीय क्षेत्रों के ढांचागत सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से केंद्रीय टीम का आगमन कामोठे तेरापंथ भवन में हुआ। अध्यक्ष श्री माणक धींग ने स्थानीय श्रावक समाज से विशेष आह्वान करते हुए भवन के रिनोवेशन कार्य हेतु जल्द से जल्द बेहतर फाउंडेशन बनाकर उत्कृष्ट स्तर का निर्माण कार्य प्रारंभ करने की रूपरेखा की जानकारी दी। इस महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक में कामोठे क्षेत्र से विशेष रूप से श्री मोहन लाल चोरडिया, प्रमोद मेहता, सुरेश राठौड़ एवं नवरत्न देवड़ा उपस्थित रहे।

चेम्बूर

तेरापंथ भवन चेम्बूर में आयोजित यात्रा कार्यक्रम का स्वागत चेम्बूर सभाध्यक्ष रमेश धोका द्वारा किया गया। इस बैठक में वरिष्ठ श्रावक श्री मदनलाल जी तातेड़ ने दैनिक जीवन में प्रेक्षाध्यान की महत्ता बताई तथा अभातेयुप कोषाध्यक्ष नरेश सोनी ने ऐसे आयोजनों को संगठन की रीढ़ बताया। नवनियुक्त तेयुप अध्यक्ष हिमांशु गन्ना, विमल जी सोनी, निवर्तमान अध्यक्ष जुगराज जी बोहरा, तेजराज जी बम्बोली, राहुल जी डांगी एवं महिला मंडल अध्यक्षा मनीषा जी राठौड़ ने अपनी अभिव्यक्तियाँ दीं। तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष मूलचंद जी लोढा एवं सभा मंत्री दिलीप मेहता ने सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

बांद्रा

दिनांक 4 अगस्त 2025 को तेरापंथ भवन, बांद्रा में बांद्रा सभा के निर्देशन में संवाद यात्रा का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ तथा बांद्रा सभा अध्यक्ष श्री प्रकाश जी बोहरा ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। मुंबई सभा अध्यक्ष श्री माणक जी धींग ने सभा की गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विभिन्न कल्याणकारी प्रकल्पों, स्थायी भवन निर्माण तथा संगठन सुदृढ़ीकरण के विषय में विचार व्यक्त किए। संयोजक श्री मनोहर जी गोखरू ने स्वस्थ जीवनशैली, आदर्श परिवार एवं आत्म-अवलोकन की प्रेरणा दी। विभिन्न वक्ताओं की सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा यह यात्रा सांगठनिक समरसता, सौहार्द और समर्पण का प्रभावी उदाहरण बनी।

बोईसर

दिनांक 6 अगस्त 2025 को समता भवन, बोईसर में संवाद यात्रा की केंद्रीय टीम का आगमन एवं कार्यक्रम संपन्न हुआ। नवकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तथा बोईसर सभा अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश जी सोलंकी ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। मुंबई सभा अध्यक्ष श्री माणक जी धींग ने सभा की गतिविधियों, लोकोपकारी प्रकल्पों एवं भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए बोईसर में तेरापंथ भवन निर्माण हेतु सहयोग का आश्वासन प्रदान किया। विभिन्न पदाधिकारियों ने संगठन सुदृढ़ीकरण, स्वस्थ जीवनशैली, पारिवारिक सौहार्द, आत्म-अवलोकन एवं नेतृत्व विकास पर अपने विचार व्यक्त किए। स्थानीय पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा संगठनात्मक जागरूकता, सहभागिता और एकता को नई ऊर्जा प्रदान कर गया।

दादर

दिनांक 24 जुलाई 2025 को दादर क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र एवं मंगलाचरण से हुआ। मुंबई सभा अध्यक्ष श्री माणक जी धींग ने सभा की विभिन्न लोकोपकारी, शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं संघीय गतिविधियों तथा भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। यात्रा संयोजक श्री मनोहर जी गोखरू ने आत्म-संवाद, आत्म-विकास एवं भिक्षु चेतना वर्ष के संदर्भ में आचार्य भिक्षु के सिद्धांतों को आत्मसात करने का प्रेरक संदेश दिया। स्थानीय पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय गतिविधियों, रक्तदान सेवा, शिक्षा सहायता तथा नवीन भवन की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। संवाद, सहभागिता एवं जिज्ञासा समाधान से युक्त यह कार्यक्रम संगठनात्मक जागरूकता, सेवा भावना एवं संघनिष्ठा को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

डोंबिवली

दिनांक 24 जुलाई 2025 को डोंबिवली में सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल एवं ज्ञानशाला द्वारा मंगलमय संगान से हुआ। स्थानीय सभा पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा आगंतुक पदाधिकारियों का स्वागत किया। मुंबई सभा अध्यक्ष श्री माणक जी धींग ने मुख्य सभा के विविध जन-कल्याणकारी प्रकल्पों एवं संघीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए संगठन, मर्यादा और गुरु आज्ञा के पालन की महत्ता प्रतिपादित की। यात्रा संयोजक श्री मनोहर जी गोखरू ने पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में संवाद, समन्वय और सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। विभिन्न श्रावक-श्राविकाओं की सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा संगठनात्मक एकता, सौहार्द और सक्रियता को नई प्रेरणा मिली।

गोरेगांव

दिनांक 8 अगस्त 2025 को तेरापंथ सभा भवन, गोरेगांव में सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नवकार महामंत्र एवं मंगलाचरण से हुआ। मुंबई सभा अध्यक्ष श्री माणक जी धींग ने सभा की विविध लोक-कल्याणकारी योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए समाज से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने गोरेगांव समाज की संगठनात्मक सक्रियता की सराहना की। यात्रा संयोजक श्री मनोहर जी गोखरू ने स्वस्थ जीवनशैली, पारिवारिक संवाद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भिक्षु चेतना वर्ष के संदर्भ में आचार्य भिक्षु के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी गतिविधियों एवं प्रवृत्तियों का परिचय दिया। कार्यक्रम उत्साह, सहभागिता एवं संघनिष्ठा के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नेरुल

दिनांक 2 अगस्त 2025 को नेरुल (नवी मुंबई) में सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा के अंतर्गत प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण एवं मंगल गीतों से हुआ। नेरुल सभा के अध्यक्ष श्री आनंद जी सोनी ने आगंतुक पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए स्थानीय धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का परिचय प्रस्तुत किया। मुंबई सभा के पदाधिकारियों ने सभा द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, विधिक जागरूकता, शिक्षा एवं चिकित्सा सहायता प्रकल्पों की जानकारी दी तथा नेरुल समाज के सेवा कार्यों की सराहना की। स्थानीय संस्थाओं एवं समाजजनों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन सामाजिक एकजुटता, संवाद, सहयोग और संगठनात्मक सुदृढ़ता का प्रभावी उदाहरण सिद्ध हुआ।

पालघर

दिनांक 6 अगस्त 2025 को तेरापंथ सभा भवन, पालघर में सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा के अंतर्गत विशेष सांगठनिक सत्र का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र एवं मंगलाचरण से हुआ। मुंबई सभा अध्यक्ष श्री माणक जी धींग ने सभा द्वारा संचालित विभिन्न लोकोपकारी उपक्रमों की जानकारी देते हुए समाज की सांगठनिक जिज्ञासाओं का समाधान किया। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभा के वैधानिक विकास, नव-क्रय कार्यालय भवन तथा समाज सेवा के विविध आयामों पर प्रकाश डाला। यात्रा संयोजक श्री मनोहर जी गोखरू ने स्वस्थ जीवनशैली, पारिवारिक संवाद, सौहार्द एवं भिक्षु चेतना वर्ष के संदर्भ में आचार्य भिक्षु के सिद्धांतों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। स्थानीय पदाधिकारियों ने सभा की गतिविधियों एवं लाभकारी योजनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सायन-कोलीवाड़ा

दिनांक 18 जुलाई 2025 को तेरापंथ सभा भवन, सायन-कोलीवाड़ा में सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा का प्रेरणादायी एवं उत्साहपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नवकार महामंत्र एवं मंगलाचरण से हुआ। मुंबई सभा अध्यक्ष श्री माणक जी धींग ने सभा के विविध उपक्रमों, योजनाओं एवं संगठनात्मक एकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। यात्रा संयोजक श्री मनोहर जी गोखरू ने संवाद, स्वस्थ जीवनशैली, प्रायोगिक धर्म तथा पारिवारिक सौहार्द की महत्ता प्रतिपादित की। वक्ताओं ने सायन-कोलीवाड़ा क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास, संगठनात्मक विकास तथा नवीन भवन निर्माण एवं स्थानीय सभा गठन की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। ज्ञानशाला की गतिविधियों का भी परिचय प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम व्यापक सहभागिता, सकारात्मक संवाद एवं संगठनात्मक जागरूकता के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यात्रा के सांगठनिक सार-संक्षेप एवं दूरगामी परिणाम

- **साधार्मिक वात्सल्य और एकता**: इस संवाद यात्रा ने सुदूर उपनगरों के श्रावक समाज के भीतर यह विश्वास दृढ़ीभूत किया कि मुंबई सभा हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है।

इस वृहद् अभियान का कुशल संचालन सामाजिक सौहार्द और संवाद यात्रा के संयोजक मनोहरजी गोखरू ने अत्यंत सहज व प्रभावशाली शैली में किया। यह 'सामाजिक सौहार्द एवं संवाद यात्रा' धर्मसंघ की आंतरिक मजबूती, श्रावक चेतना के जागरण और संपूर्ण महानगरीय समाज को एक सुदृढ़ सांगठनिक सूत्र में पिरोने का एक ऐतिहासिक माध्यम सिद्ध हुई है।

मर्यादा महोत्सव एवं अक्षय तृतीया
संघीय मर्यादाओं के प्रति अटूट निष्ठा और सामूहिक तपस्या का महाकुंभ

तेरापंथ धर्मसंघ की महान आध्यात्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक चेतना को सुदूर महानगरीय अंचलों में जीवंत बनाए रखने में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई सदैव से अग्रणी रही है। यूँ तो मुंबई के विभिन्न उपनगरों एवं अंचलों में पूज्य साधु-साध्वियों के पावन चातुर्मास और प्रवास निरंतर गतिमान रहते हैं, मगर मर्यादा महोत्सव तथा अक्षय तृतीया (वर्षीतप पारणा महोत्सव) ऐसे ऐतिहासिक अवसर हैं, जिन्हें संपूर्ण मुंबई तेरापंथ समाज सामूहिक रूप से, एक सूत्र में बंधकर, मुख्य सभा के केंद्रीय बैनर तले मनाता है।

161वाँ मर्यादा महोत्सव (वर्ष 2025)

- **पावन सान्निध्य**: इस संघीय महापर्व का भव्य आयोजन मुनि श्री कुलदीप कुमार जी के सान्निध्य एवं मुनि श्री मुकुल कुमार जी के निर्देशन में तेरापंथ भवन, कांदिवली के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस मुंबई स्तरीय आयोजन में महानगर के कोने-कोने से भारी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं सम्मिलित हुए।
- **आध्यात्मिक पाथेय**: मुनि श्री कुलदीप कुमार जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि आचार्य भिक्षु एक विलक्षण, दूरदर्शी और आत्मार्थी व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने अथक सूझबूझ से धर्मसंघ को मर्यादाओं से अभिमंत्रित कर विकास के शिखर पर पहुँचाया। मुनि मुकुल कुमार जी ने 'मर्यादा सुरक्षा, प्रगति और विकास' को जीवन की सफलता का राजमार्ग बताया। इस दौरान मुनिश्री ने 'तेरापंथ: एक चिंतन, एक संस्कृति, एक रहस्य' विषयों पर गहन वक्तव्य दिए।

162वाँ मर्यादा महोत्सव (वर्ष 2026)

- **पावन सान्निध्य एवं प्रेरणा**: 162वें मर्यादा महोत्सव का ऐतिहासिक आयोजन पुनः मुनि श्री कुलदीप कुमार जी एवं मुनि श्री मुकुल कुमार जी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ भवन, कांदिवली में संपन्न हुआ।
- **मुख्य विचार**: मुनिश्री ने रेखांकित किया कि जैसे लेखन में हम हाशिए (लाइन) का अतिक्रमण नहीं करते, वैसे ही जीवन में मर्यादा का पालन ही हमारी सफलता का राजमार्ग है।

अक्षय तृतीया महोत्सव — 30 अप्रैल 2025

- **तपस्या का महा-पारणा:** मुंबई स्तरीय इस पावन महोत्सव का आयोजन तेरापंथ भवन, कांदिवली में मुनि श्री कुलदीप कुमार जी के सान्निध्य में संपन्न हुआ।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:** मुनिश्री ने युगप्रवर्तक भगवान ऋषभदेव के धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक अवदानों को रेखांकित करते हुए वर्षीतप की महत्ता पर प्रकाश डाला।
- **तपस्वी अभिनंदन:** इस ऐतिहासिक दिन मुंबई अंचल के सभी 29 तपस्वियों ने मुनिश्री को इक्षु रस (गन्ने का रस) बहराकर अपने वर्षीतप का पारणा पूर्ण किया।

अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव — 20 अप्रैल 2026

- **पावन सान्निध्य एवं गौरवशाली आयाम:** वर्ष 2026 का मुंबई स्तरीय अक्षय तृतीया पारणोत्सव युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या शासन श्री साध्वी श्री विद्यावती जी 'द्वितीय' आदि ठाणा ५ के पावन सान्निध्य में तेरापंथ भवन, कांदिवली में अत्यंत भव्यता के साथ आयोजित हुआ।
- **मुख्य योगदान एवं प्रायोजक:** इस ऐतिहासिक आयोजन को भव्य रूप देने में मुख्य योगदान श्रीमती पुष्पा-अशोक कुमार जी, रेणू-हार्दिक जी, कैटी-महक जी, डॉ. रिद्धि-अंचित जी बाबेल परिवार (कांदिवली/अमेरिका) का रहा, जिन्होंने पारणा महोत्सव के मुख्य प्रायोजक के रूप में अपनी अमूल्य सेवाएं समर्पित कीं।
- **साध्वीवृंद का प्रेरणा पाथेय:** शासन श्री साध्वी विद्यावती जी ने भगवान ऋषभदेव के भिक्षाचरी जीवन और श्रेयांश कुमार द्वारा इक्षु रस बहराए जाने के प्रसंग का भावपूर्ण चित्रण करते हुए तपस्वियों के अदम्य साहस की सराहना की। साध्वी श्री प्रियंवदा जी ने तप की मंगलकामना की तथा साध्वी श्री प्रेरणाश्री जी, साध्वी श्री मृदुयशा जी एवं साध्वी श्री ऋद्धियशा जी ने सुमधुर गीतों का संगान किया।
- **पारणा एवं सम्मान समारोह:** इस ऐतिहासिक महा-आयोजन में 49 वर्षीतप आराधकों ने साध्वी श्री को इक्षु रस बहराकर पारणा किया। कांदिवली ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों ने सुंदर प्रस्तुति दी। अतिथियों व तपस्वियों का सम्मान अध्यक्ष श्री माणक धींग, तथा श्री तुलसी महाप्रज्ञ फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री मेघराज धाकड़ एवं वरिष्ठ श्रावकों द्वारा किया गया।

साधारण-सभा और कार्यसमिति-संगोष्ठियाँ

संवैधानिक सुदृढ़ता, पारदर्शी विमर्श और सांगठनिक विस्तार का कालखंड

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई की प्रशासनिक सुदृढ़ता, वैधानिक प्रामाणिकता और सुचारू संचालन का मुख्य आधार इसकी कार्यसमिति बैठकें, विशेष साधारण सभा (EGM) तथा वार्षिक साधारण सभा (AGM) रही हैं। विगत कार्यकाल (2024-2026) के दौरान संस्था ने सांगठनिक अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का अक्षरशः पालन करते हुए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए, जिसने मुंबई अंचल के संघ-ढांचे को एक नई और आधुनिक दिशा प्रदान की है।

विशेष साधारण सभा (EGM)

संस्था के प्रशासनिक और विधिक स्वरूप को समय के अनुकूल और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विगत कार्यकाल में दो अत्यंत महत्वपूर्ण विशेष साधारण सभा (EGM) का आयोजन किया गया।

- प्रथम EGM का सफल आयोजन 13 अक्टूबर 2024 को तथा द्वितीय अनुवर्ती बैठक का आयोजन 10 नवंबर 2024 को संपन्न हुआ। जिसमें सभा के हित में अनेक प्रभावी फैसले लिए गए।
- इसके अतिरिक्त समय-समय पर कार्यसमिति की नियमित बैठकें भी हुई।
- **व्यवस्था में सहयोग:** कार्यसमिति की संगोष्ठियों एवं सभा के विभिन्न आयोजनों की व्यवस्था में श्री जंवरीमलजी नौलखा, श्री उम्मेदजी कोठारी तथा श्री सुरेशजी राठौड़ का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

वार्षिक साधारण सभा (AGM) एवं कृतज्ञता ज्ञापन

31 मई 2026 को आयोजित होने जा रही वार्षिक साधारण सभा (AGM) के साथ ही यह गौरवशाली और उपलब्धियों से भरा कार्यकाल संपन्नता की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर मुंबई सभा अपनी कार्यकारिणी के मार्गदर्शक मंडल के वरिष्ठों—श्री रमेशकुमारजी धाकड़, श्री भीकमचंदजी नाहटा, श्री ख्यालीलालजी तातेड़, श्री मदनलालजी तातेड़, श्री बाबूलालजी कच्छारा, श्री संपतलालजी मादरेचा, श्री विनोदजी कच्छारा, श्री मेघराजजी धाकड़, श्री सुरेन्द्रजी कोठारी, श्री प्यारचंदजी मेहता, श्री नरेन्द्रजी तातेड़, श्री नवरतनजी गन्ना, श्री भँवरलालजी कर्णावट, श्री चाँदरतनजी दुगड़, श्री सुरेन्द्रजी कच्छारा, श्री अर्जुनलालजी चौधरी, श्री कैलाशजी बापना, श्री अशोकजी तलेसरा, श्री के. एल. परमार, श्री विनोदजी बोहरा, श्री बाबूलालजी बापना, श्री महेंद्रजी तातेड़, श्री कमलेशजी बोहरा, श्री बाबूलालजी समदरिया, श्री दलपतजी बाबेल, श्री शांतिलालजी कोठारी, श्री कन्हैयालालजी मेहता तथा श्रीमती प्रेमलताजी सिसोदिया के प्रति अंतस की गहराइयों से आभार ज्ञापित करती है, जिनके मजबूत सपोर्ट, आत्मीय सहयोग और संबल से यह दो वर्षीय सांगठनिक यात्रा ऐतिहासिक रूप से सफल हो सकी।

निवेदक

माणक धींग	दिनेश सुतरिया	कमलेश चौधरी
अध्यक्ष	**मंत्री**	**कोषाध्यक्ष**

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, मुंबई